

विचार बिन्दु

जीवन में सबसे अच्छा दोस्त वह है, जो आपका सर्वश्रेष्ठ बाहर लाता है। –हेनरी फोर्ड

लाख मिटाए मिट न सकेगा, दाग है इतना गहरा

भारत का चुनाव आयोग पूरे विश्व में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोजित करने की दृष्टि से एक विशिष्ट स्थान रखता है। भारत में स्वतंत्रता के बाद से जिस प्रकार से इस काम को नियमित रूप से भारत का चुनाव आयोग करता आया है, उसका कोई सानी पूरी दुनिया में नहीं है। इसी कारण विश्व भर के चुनाव अधिकारी भारत के चुनाव आयोग से सीखते रहे हैं। हमारे चुनाव आयोग के अधिकारी और आयुक्त, विश्व के अन्य देशों में जाकर अपने अनुभव को साझा करते रहे हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरेशी के समय में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट एंड इलेक्शन मैनेजमेंट की स्थापना की गई, जिसके माध्यम से अब तक 143 देशों के चुनाव अधिकारी प्रशिक्षित हो चुके हैं।

इस प्रकार की प्रशिक्षा वाले भारत के निर्वाचन आयोग की पिछले कुछ समय से छवि बहुत धूमिल होती जा रही है। इसकी निष्पक्षता और कार्यप्रणाली के संबंध में जितनी आशंकाएं समाज के विभिन्न वर्गों एवं दलों द्वारा व्यक्त की गई हैं, उनसे तो यह लगता है कि इसकी छवि पूर्णतया ध्वस्त हो गई है। जिस चुनाव आयोग पर देश गर्व करता था, अब कई बार वह शर्मनाक कृत्य करने लगा है।

विशेष रूप से समस्या तब उत्पन्न हुई जब चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को बिहार चुनाव से पहले एस आई आर अर्थात स्पेशल इंस्टिच रिवीजन का आदेश जारी किया। इसके माध्यम से मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण से संबंधित कई आमूल चुल परिवर्तन कर दिए। नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6 के साथ ही घोषणा पत्र भी अनिवार्य कर दिया गया जिसमें 2003 के एस आई आर में स्वयं की या माता-पिता की जानकारी चाही गई थी। यह जानकारी अधिकांश लोगों के पास उपलब्ध होना संभव नहीं था। परिणाम स्वरूप, लाखों-करोड़ों वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए। मतदाता सूचियों को पूरी नई बनाई गई। चुनाव आयोग द्वारा जारी निर्देश इतने जटिल बना दिए गए कि पंशान होकर अनेक बी एल ओ ने आत्महत्या तक कर ली। जो लोग लगातार चार-पांच चुनाव में वोट कर चुके थे उनके नाम भी मतदाता सूची से हटा दिए गए। पुनः जुड़वाने की प्रक्रिया इतनी जटिल थी कि लोग अपना काम धंधा छोड़कर इसी में लग गए। उसके बावजूद भी अधिकांश इसमें सफल नहीं हो पाए।

बिहार के बाद बंगाल के चुनाव में तो इस धांधली को पराकाष्ठा ही हो गई। लॉजिकल डिफ़िक्रपेंसी के नाम पर लगभग 27 लाख लोगों के वोट काट दिए गए। इनमें कई प्रबुद्ध व्यक्ति भी थे। इन्होंने जब इसकी अपील न्यायिक ट्रिब्यूनल में की, तो गत एक वर्ष में केवल 1.23 लाख अपीलों का निपटारा हो पाया, जिसमें 93 प्रतिशत व्यक्ति मतदाता बनने के योग्य पाए गए। स्पष्ट है उनके नाम पहले गलत रूप से मतदाता सूचियां से काटे गए थे। उल्लेखनीय है कि मतदाता सूचियों में अपना नाम अंकित कराने में असफल रहने वाले व्यक्तियों में अधिकांश निम्न वर्ग के और गरीब व्यक्ति होते हैं, जिनके लिए किसी भी सरकारी कार्यालय से कोई भी प्रमाण पत्र प्राप्त करना लगभग असंभव सा हो जाता है।

अतः यह कहना गलत नहीं होगा कि लोकतंत्र के दामन पर सबसे बड़ा दाग तो स्वयं चुनाव आयोग ने लगाया है। जो मतदाता सूची निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव की आधारशिला होती है, उसी के शुद्धिकरण के नाम पर इसे पूर्णतया दूषित कर दिया गया। जिस प्रकार से सत्ताधारी दल ने निर्वाचन आयोग के सभी गलत अनुचित निर्णयों का बचाव करने का काम किया, उसने तो यह संकेत दिया कि चुनाव आयोग, ये सारे काम सत्ताधारी दल के इशारे पर कर रहा है।

चुनाव आयोग के दो आयुक्तों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा लिए गए निर्णयों के विरोध में अपना लिखित मत व्यक्त किया था। कानून के अनुसार, दोनों चुनाव आयुक्तों की लिखित आपत्ति के बावजूद ज्ञानेश कुमार द्वारा लिए गए निर्णय, चुनाव आयोग के नहीं कहे जा सकते हैं। केवल इसी आधार पर एस आई आर को निरस्त किया जा सकता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अंजलि भारद्वाज द्वारा सूचना के अधिकार कानून के अंतर्गत प्राप्त की गई सूचना में निर्वाचन आयोग ने स्वयं माना है कि उनके द्वारा कोई निर्णय एस आई आर के संबंध में नहीं लिया गया। जब चुनाव आयोग में एस आई आर का निर्णय ही नहीं लिया तो फिर इस संबंध में परिपत्र, राज्यो को कैसे जारी किए गए? कैसे कई प्रकार के फॉर्म में बदलाव किया गया? अब जिन लोगों के नाम काट गए, उन्हें पुनः जोड़ने की कवायद चुनाव आयोग कर रहा है। उनसे फॉर्म 6 भरवाया जा रहा है, (जिसमें नए मतदाता का रजिस्ट्रेशन होता है), और उसके लिए यह शपथ पत्र लेना होता है कि वह पहले से मतदाता के रूप में रजिस्टर्ड नहीं है। इसका अर्थ यह हुआ कि वैध मतदाताओं को आपराधिक कार्यावाही करने के लिए पबाध्य किया जा रहा है। क्या केवल चुनाव आयोग का काम मतदाताओं के सिर पर अपराधी कार्रवाई की तलवार लटकाने रखने का ही रहे गया है? नागरिकता के बारे में चुनाव आयोग ने कोई स्थिति स्पष्ट नहीं की। प्रचलित आधार, एपिक कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड आदि

न्यायपालिका भी अपने स्तर पर अन्यायपूर्ण कार्रवाई को रोकने में असफल रही। इसलिए कुछ हद तक वह भी वर्तमान स्थिति के लिए जिम्मेदार मानी जा सकती है। यह दाग दूर करने का सर्वोच्च न्यायालय के पास एक अवसर है।

किसी स्तर पर सपष्ट जानकारी नहीं मिली और ज्ञानेश कुमार सार्वजनिक रूप से इस बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए एक बार भी आगे नहीं आए, तो एक जन आंदोलन प्रारंभ हुआ जिसमें कार्यकर्ता जनता पार्टी के अलावा सभी विपक्षी दल भी सम्मिलित हुए। इनकी प्रमुख मांग थी कि ज्ञानेश कुमार अपनी अवैध कार्रवाइयों के लिए इस्तीफा दें, किंतु यह इस्तीफा न होना था न हुआ, क्योंकि उन्हें सत्ताधारी दल का जब तक इशारा नहीं होगा ऐसा वह नहीं करेंगे। निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली की आलोचना सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान न्यायाधीश उज्ज्वल भुइयां ने अपने उद्घोषण में की है। वहीं, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरेशी, आयुक्त अशोक लवासा पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज रोहितन नरीमन आदि सब ने बड़ी संख्या में मतदाताओं को अपने अधिकार से वंचित करने को लोकतंत्र का मजाक बताया है।

उत्तर प्रदेश में तो चुनाव आयोग ने कमाल ही कर दिया जब अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद मतदाताओं के नाम ही बदल दिए गए जबकि एपिक नंबर वही रखा गया। ऐसी स्थिति में जब वह मतदान केंद्र पर जायेगा तो नाम में भिन्नता होने के कारण उसे वोट देने से वंचित किया जाएगा। ऐसे नाम बदलने के मामले केवल पीलीभीत विधानसभा क्षेत्र में ही लगभग 14000 हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी नवनीत रिग्वा ने इसे आपराधिक कृत्य माना है। मजे की बात यह कि जिन फॉर्मस के आधार पर ये नाम बदले गए वे कार्यालय में ही उपलब्ध नहीं हैं। इस प्रकार सबसे बड़ा दाग तो निर्वाचन आयोग के दामन पर लगा है।

इसे कैसे धोया जाएगा, इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। वह ऐसा करने में उत्सुक भी नहीं दिखाई दे रहा है।

ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध जन आंदोलन के दौरान पुलिस ने जिस प्रकार की बर्बरतापूर्ण कार्यवाही अहिंसक आंदोलनकारियों के विरुद्ध की, उसने भी एक प्रकार से पुलिस प्रशासन पर दाग ही लगाया है। पुलिस की पक्षपात पूर्ण कार्यवाही सभी ने देखी है। बरसों से प्रदर्शन के स्थल जंजर मंजर को, अचानक प्रदर्शन स्थल के लिए जारी लिस्ट से निकाल दिया। दिल्ली में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 136 लागू कर दी गई। इसके अंतर्गत चार से अधिक व्यक्तियों का इकट्ठा होना गैरकानूनी बना दिया गया। इसी के फल स्वरूप पिछले कई दिनों से जहां जहां पर भी अहिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं, वहां पुलिस जबरदस्ती उन्हें रोककर, अर्ध सैनिक बलों और पुलिस बल के साथ उन्हें घसीट कर बसों में भर रही है। अब उन सबसे ‘पीस बॉन्ड’ भरने के लिए कहा जा रहा है। यह कई स्पष्ट नहीं है कि क्या अहिंसक आंदोलन करना शांति को भंग करना है? पुलिस ने तो शायद ऐसा ही सोच रखा है। इसीलिए सी जे पी के तीनों नेताओं अजिजुल दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को सार्वजनिक रूप से आंदोलन करने से वंचित ही कर दिया गया है। आश्चर्यजनक रूप से सौरव दास और आशुतोष रांका को तो शांति भंग करने की आशंका में ही आठ दिन तक तिहाड़ जेल में बंद कर दिया गया। पुलिस ने विश्वविद्यालय के रिटायर्ड प्रोफेसर, पत्रकारों, वकीलों आदि के आंदोलन को भी कुचलने का काम किया है। इसके विपरीत जब भी भाजपा समर्थित गुंडों ने अराजकता फैलाने का प्रयास किया और भागपट्टी को, पुलिस ने उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की और न उन्हें ऐसा करने से रोका। इसके उलट, उन्हें खुली छूट दे दी। इन गुंडों ने किस प्रकार से महिलाओं के साथ बदसलुकी की, यह सब न देखा है। तो, दूसरा दूसरा पुलिस पर लगा है। वह तभी दूर हो सकता है जब पुलिस अनावश्यक रूप से अहिंसक आंदोलन करने वालों पर बल प्रयोग ना करे और सबके प्रति एक समान दृष्टिकोण रखे। सत्ताधारी दल के नेता तो किसी भी प्रकार का निर्देश दे सकते हैं, किंतु पुलिस अधिकारियों से इस प्रकार की एक तरफा कार्रवाई करने की अपेक्षा नहीं की जानी। अब भी वह निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से कार्य करने अपने पर लगा दाग कुछ हल्का कर सकते हैं।

इस पूर्व प्रकरण में, न्यायपालिका को अपना काम करने से नहीं बच पाई है। अंतिम शरण, न्याय के लिए, न्यायपालिका को माना जाता है। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक गया और कई बार अनेक प्रकार की अनियमितता स्पष्ट होने के बावजूद, एस आई आर को जारी रहने दिया गया और इस पर कोई रोक नहीं लगाई गई। न्यायपालिका भी अपने स्तर पर अन्यायपूर्ण कार्रवाई को रोकने में असफल रही। इसलिए कुछ हद तक वह भी वर्तमान स्थिति के लिए जिम्मेदार मानी जा सकती है। यह दाग दूर करने का सर्वोच्च न्यायालय के पास एक अवसर है। अब भी फॉर्म 6 में निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट की आाड में जो बदलाव कर दिए उसे सुप्रीम कोर्ट की अवमानना मानते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त को अपना काम करने से रोकने का आदेश जारी करे। साथ ही, एस आई आर स्थगित करते हुए जून 25 से पूर्व की मतदाता सूचियों के आधार पर आगामी चुनाव करवाने के आदेश जारी करे। यदि वह ऐसा कर पाए, तो उनके ऊपर लगा दाग कुछ हद तक कम हो सकता है।

देश की प्रत्येक संवैधानिक संस्था के दामन पर दाग लगे जो समय के साथ-साथ और गहरे होते गए। उन्हें मिटाने के लिए बहुत प्रयास करने होंगे। यदि उनको मिटाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं हुए तो फिर हम पुरानी फिल्म का यही गाना गाने पर विवश होंगे– **“लाख मिटाए, मिट न सकेंगे ये दाग हैं इतने गहरे……”**

**–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भागवत (पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)**



प्रो.कैलाश सोडाणी

सार्वजनिक यातायात भारत जैसे विशाल एवं अत्यधिक जनसंख्या वाले देश के नागरिकों की जीवन रेखा है। रोजाना करोड़ों लोग अपने रोजगार, शिक्षा, व्यवसाय आदि जरूरतों के लिए ट्रेन, बस, मेट्रो, टैक्सी, निजी वाहन जैसे साधनों पर निर्भर रहते हैं। वर्तमान समय में रोटी, कपड़ा और मकान के साथ-साथ व्यक्ति की चौथी अनिवार्य आवश्यकता परिवहन हो चुकी है। लोगों की रोटी, कपड़ा और मकान को लेकर तो स्थिति काफी ठीक हो चुकी है परन्तु यातायात को लेकर तो स्थिति बहुत कमजोर है। अमीर हो या गरीब, शहरी

हो या ग्रामीण सभी परेशान हैं। समय की बांबंदी से दुःखी हैं। महानगरों में रोज 2 से 4 घण्टे वाहन में एवं उसके इंतजार में ही व्यतीत हो रहे हैं। संघर्ष के साथ बस में चढ़ना तथा धक्का-मुक्की के साथ खड़े-खड़े यात्रा पूर्ण करना शहरी जीवन का नियमित कार्यक्रम है। निजी वाहन की सुविधा के बावजूद भी चलना तो रेंगते हुए ही पड़ेगा। 10 किलोमीटर की दूरी को पूरा करने में एक घण्टा लगना तो मामूली बात है। वाहनों की बढ़ ती संख्या से प्रदूषित वातावरण तथा हॉर्न की करकश आवाजों ने जीवन को और दुष्पर बना दिया है। प्रतिदिन मानव संसाधन के लाखों कार्य के घंटे यातायात में ही निपट रहे हैं। यह प्रत्यक्षतः व्यक्ति एवं समाज का आर्थिक नुकसान है।

देश में पदयात्री सुरक्षा और सम्मान के अभाव में व्यथित हैं। शहरों में सड़क पर पैदल चलना खतरों से खेदना है। हालात इतने खराब हो गये हैं, जिससे पैदल चलने वालों की संख्या लगातार घटती जा रही है।शहरों में वाहनों के लिए सड़कों की चौड़ाई बढ़ ने के चक्कर में फुटपाथों को समाप्त कर दिया गया और यदि कहीं बच गये तो फिर वे अतिक्रमण

की भेंट चढ़ गये। इस सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट दिशा निर्देश हैं–“फुटपाथ केवल पैदल यात्रियों के लिए है, अतिक्रमण एवं पार्किंग के लिए नहीं है।” सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध होने पर लोग 2-4 किलोमीटर की यात्रा के लिए वाहन के बजाय पैदल चलना ही पसंद करेंगे। दिल्ली का कर्नाट सर्किल सुरक्षित फुटपाथ का अच्छा उदाहरण है। दुनिया के लगभग सभी विकसित देशों में पदयात्री को सुरक्षा एवं सम्मान उपलब्ध है। वहाँ के सुरक्षित फुटपाथ पैदल चलने के लिए प्रेरित करते हैं। पदयात्री यदि रोड क्रॉस करता है तो दोनों ओर का ट्रैफिक उसके सम्मान में स्वयंमेव रुक जाता है। इन देशों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी बहुत मजबूत है। अनावश्यक रूप से मानव श्रम एवं समय खराब नहीं हो रहा है। अनेक देशों में साइकिल यात्रियों के लिए भी मार्ग आरक्षित है। भारत में पदयात्रियोंके साथ-साथ साइकिल यात्रियों को भी बहुत निराश किया है। यही कारण है कि सन् 2000 से साइकिलों की बिक्री लगातार घट रही है। दोपहिया एवं कारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। दो पहिया वाहनों में तो भारत

दुनिया में सबसे आगे है। सार्वजनिक बस परिवहन की कमजोर व्यवस्था के कारण गाँव का गरीब आदमी भी दो-पहिया वाहन खरीदने के लिए मजबूर है।

शहरों के आन्तरिक यातायात के साथ-साथ जब बाहर की यातायात व्यवस्था पर चर्चा करते हैं तो स्थिति थोड़ी ठीक नज़र आती है। एक शहर से दूसरे शहर या गाँव तथा एक गाँव से दूसरे गाँव या शहर आने-जाने के लिए देश में सड़क, रेल, वायु एवं जल परिवहन की व्यापक सुविधा उपलब्ध है। देश में सड़कों का कुल नेटवर्क लगभग 65 लाख किलोमीटर है, जो दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा नेटवर्क है। जिस पर लगभग 38 करोड़ वाहन दौड़ रहे हैं। जो हमारे देश का लगभग 85 प्रतिशत यात्री भार को सम्भाल रहे हैं। करीब 1.5 लाख राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण से सड़क यातायात की स्थिति भी बदतर गई। दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क भारतीय रेलवे का है। जो आज अपूर्वपूर्व तकनीकी एवं आधुनिक बदलावों के साथ तेजी से आगे की ओर बढ़ रहा है। देश में कुल रेल मार्ग 67415 किलोमीटर है। 7325 रेलवे स्टेशनों के द्वारा वर्ष

2025-26 में 741 करोड़ यात्रियों ने रेल यात्रा का लाभ उठाया। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमान बाजार है। वर्ष 2025 में 166 हवाई अड्डों के माध्यम से 24 करोड़ यात्रियों ने हवाई यात्रा का लाभ उठाया। भारत के पास लगभग 14500 किमी अंतर्देशीय जल मार्ग है। 7500 किलोमीटर लम्बी समुद्री तट रेखा है। 111 राष्ट्रीय जलमार्ग और 12 प्रमुख बन्दरगाह हैं। 2025 में 7.6 करोड़ यात्रियों ने जल परिवहन का उपयोग किया। जल परिवहन सबसे किफायती और ऊर्जा-कुशल साधन होते हुए भी भारत की इस दिशा में प्रगति की गति बहुत धीमी है। सारांश में यही कहा जा सकता है कि देश के लगभग सभी शहरों में आन्तरिक यातायात की व्यवस्था बहुत कमजोर है, लोग बहुत परेशान हैं। समाधान के लिए पैदल एवं साइकिल यात्रा को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करना होगा। मेट्रो और सिटी बस सेवा को आवश्यकता के अनुरूप तैयार करना होगा।

**–प्रो.कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलपति, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा**

फसल अवशेष प्रबंधन से किसानों को करें सशक्त: बढ़ेगी आय, घटेगी लागत और सुरक्षित रहेगा पर्यावरण



आकांक्षा शर्मा

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और खेती को अधिक लाभदायक बनाना समृद्ध राजस्थान के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। वैज्ञानिक तरीके से फसल अवशेष प्रबंधन (पराली प्रबंधन)

किसानों को कटाई के बाद बचने वाले कृषि कचरे को एक मूल्यवान संसाधन में बदलने, अतिरिक्त आय अर्जित करने और उपलब्ध कृषि मशीनरी का बेहतर उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है। यह अवशेषों को जलाने से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताओं, जैसे कि सर्दियों के दौरान धुआँ, वायु प्रदूषण और दृश्यता (विजिबिलिटी) में कमी को दूर करने में भी मदद करता है।

धान और गेहूँ के भारी उत्पादन वाले जिलों (जिनमें कोटा, बूंदी, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और अन्य शामिल हैं) में फसल अवशेष संग्रहण एवं प्रबंधन केंद्र स्थापित किए गए हैं। ये केंद्र किसानों के अनुरोध पर सीधे उनके खेतों से कृषि अपशिष्ट को निःशुल्क एकत्रित करते हैं। संग्रहण का पूरा खर्च संबंधित केंद्र द्वारा वहन किया जाता है, जो एकत्र किए गए अवशेषों को संभालने और परिवहन के लिए बेतर मशीनों के माध्यम से छोटे व कॉम्पैक्ट बंडलों में बदल देता है। यह सुविधा किसानों को बिना

किसी अतिरिक्त खर्च के फसल अवशेषों का प्रबंधन करने में मदद करती है।

किसान लागू सरकारी योजनाओं के तहत पात्र कृषि मशीनरी पर लगभग 40 से 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। इन उपकरणों में गंरा कटर (सुरक्सेन टैश कटर), स्ट्रॉ श्रेडर, रेक, स्ट्रॉ चॉपर, मल्टचर, बेलर और फीड ब्लॉक मशीन शामिल हैं। वास्तविक सब्सिडी मशीनरी के प्रकार, किसान की श्रेणी और योजना के दिशानिर्देशों पर निर्भर करती है। ये प्रावधान किसानों को निवेश का बोझ कम करते हुए आधुनिक तकनीक अपनाने में मदद कर सकते हैं।

किराए पर भी उपलब्ध हैं मशीनें जो किसान महंगी मशीनरी नहीं खरीदना चाहते, वे बेल्पर, रोटावेयर, एमबी प्लाउ (हल) और सुपर सीडर जैसी मशीनों को किराए पर लेने की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। मशीनरी किराए पर लेने से किसानों को भारी अग्रिम खर्च से बचने में मदद

मिलती है और उन्हें अवशेष प्रबंधन व खेत की तैयारी के लिए आवश्यक उपकरण भी मिल जाते हैं। इससे परिचालन लागत कम हो सकती है और खेती अधिक कुशल बनती है।

फसल अवशेषों का उपयोग पशु चारे, जैविक खाद और बायोमास उत्पादन के लिए किया जा सकता है, जिससे अतिरिक्त आय के अवसर पैदा होते हैं। अवशेषों को मिट्टी में सही तरीके से मिलाते से जैविक पदार्थ, नमी बनाए रखने की क्षमता और फास्फेटमंद सूक्ष्म जीवों (माइक्रोबियल) की गतिविधि में सुधार होता है, जो मिट्टी की उर्वरता और टिकाऊ फसल उत्पादन का समर्थन करता है। कृषि अपशिष्ट का बेहतर उपयोग फिजूलखर्ची को भी कम कर सकता है और कृषि कार्यों की समग्र दक्षता में सुधार कर सकता है।

फसल अवशेषों को जलाने से वायुमंडल में धुआँ और हानिकारक कण उत्सर्जित होते हैं। सर्दियों के

दौरान, ये उत्सर्जन स्मॉग (धुंध), हवा की गुणवत्ता बिगड़ने और दृश्यता कम होने का कारण बनते हैं। अवशेषों को जलाने से बचकर इन पर्यावरणीय प्रभावों को कम किया जा सकता है, मिट्टी की जैव विविधता की रक्षा की जा सकती है और हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को रोक जा सकता है।

राजस्थान में लागू प्रावधानों के तहत फसल अवशेष (पराली) जलाना प्रतिबंधित है और ऐसा करने पर पर्यावरण मुआवजा (जुर्माना) लगाया जा सकता है। इसलिए, किसानों को वैज्ञानिक विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जैसे कि बेलिंग, मल्टिंग, मिट्टी में मिलाना और अवशेषों का पशु चार या बायोमास के रूप में उपयोग करना। ये पद्धतियाँ स्वच्छ हवा और स्वस्थ पर्यावरण में योगदान देने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

**–आकांक्षा शर्मा,
जनसम्पर्क अधिकारी, कोटा**

हर्बालाइफ न्यूट्रिशन : बदलती जीवनशैली में पोषण के प्रति बढ़ती जागरूकता



डॉ. लीलाधर दोचानिया

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहना पहले की तुलना में कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। व्यस्त दिनचर्या, काम का बढ़ता दबाव, खान-पान में बदलाव, फास्ट फूड की बढ़ती आदत और शारीरिक गतिविधियों में कमी ने स्वास्थ्य को हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण विषय बना दिया है। यही कारण है कि अब लोग केवल बीमारी का इलाज करने के बजाय स्वास्थ्य को बनाए रखने, सही पोषण लेने और फिट रहने के प्रति भी जागरूक हो रहे हैं।

इसी बदलती सोच के बीच हर्बालाइफ न्यूट्रिशन जैसे न्यूट्रिशन एवं वेलनेस ब्रांड और उनसे जुड़े क्लब भी

लोगों के बीच चर्चा में आए हैं। हर्बालाइफ की शुरुआत वर्ष 1980 में हुई थी। कंपनी के अनुसार, वह दुनिया के अनेक देशों में पोषण, फिटनेस और वेलनेस से संबंधित उत्पाद उपलब्ध कराती है।

कुछ समय पहले तक सामान्य धारणा थी कि पेट भर जाना ही पर्याप्त भोजन है। अब लोगों की सोच बदल रही है। वे यह समझने लगे हैं कि भोजन केवल पेट भरने के लिए नहीं, बल्कि शरीर को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने के लिए भी है। हमारे शरीर को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, फाइबर, विटामिन, खनिज और पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है। इन सभी का संतुलन शरीर को सामान्य रूप से स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रोटीन शरीर के निर्माण और मरम्मत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं विटामिन और खनिज शरीर की अनेक सामान्य जैविक प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक होते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है किअधिक मात्रा हमेशा अधिक लाभ नहीं देती। प्रत्येक व्यक्ति की पोषण संबंधी जरूरत उसकी उम्र, भोजन, शारीरिक गतिविधि और अन्य व्यक्तिगत

परिस्थितियों के अनुसार अलग हो सकती है। इसलिए किसी दूसरे व्यक्ति के अनुभवों के आधार पर स्वयं के लिए कोई उत्पाद या डाइट तय करना उचित नहीं है।

स्वास्थ्य की चर्चा केवल भोजन तक सीमित नहीं रह सकती। शरीर को सक्रिय रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पैदल चलना, योग, अपनी क्षमता के अनुसार व्यायाम, खेलकूद अथवा अन्य शारीरिक गतिविधियाँ स्वास्थ्य जीवनशैली का हिस्सा हो सकती हैं। नियमित व्यायाम शरीर को सक्रिय रखने के साथ दिनचर्या में अनुशासन भी लाता है। लेकिन व्यायाम भी व्यक्ति की उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार होना चाहिए। किसी को देखकर उसी स्तर का व्यायाम करना उचित नहीं है।

न्यूट्रिशन उत्पाद खरीदते समय केवल किसी व्यक्ति की सलाह या सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाले अनुभवों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उत्पाद का लेबल, रामझी, मात्रा, उपयोग की विधि और संबंधित नियामकीय जानकारी देखना जरूरी है। हर्बालाइफ भी अपनी आधिकारिक जानकारी में अपने उत्पादों को संतुलित आहार और सक्रिय

जीवनशैली के साथ उपयोग किए जाने की बात कहती है। साथ ही कंपनी यह स्पष्ट करती है कि उत्पाद उत्पाद किसी बीमारी के निदान, उपचार, रोकथाम या इलाज के लिए नहीं है। यही बात हर उपभोक्ता के लिए महत्वपूर्ण है– न्यूट्रिशन के क्षेत्र में उत्साह के साथ विवेक भी जरूरी है।

आज हर व्यक्ति कम समय में बेहतर स्वास्थ्य चाहता है। लेकिन वास्तव में स्वास्थ्य कोई शॉर्टकट नहीं है। यह रोज की छोटी-छोटी अच्छी आदतों से बनता है। समय पर भोजन करना, संतुलित आहार लेना, पर्याप्त पानी पीना, नियमित व्यायाम करना, पर्याप्त नींद लेना और तनाव को नियंत्रित रखने का प्रयास करना-ये सभी स्वस्थ जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। स्वास्थ्य के मामले में न तो अंधविश्वास उचित है और न ही बिना जानकारी के किसी चीज को पूरी तरह स्वीकार या अस्वीकार करना।

यह भी एक सकारात्मक संकेत है कि आज लोग अपने भोजन और स्वास्थ्य को लेकर जानकारी हासिल करना चाहते हैं। लेकिन जागरूकता का सही अर्थ यही है कि हम किसी भी दावे को आंख बंद करके स्वीकार न करें, बल्कि उसके पीछे की जानकारी

को समझें, अपनी आवश्यकता को पहचानें और आवश्यकता होने पर विशेषज्ञ की सलाह लें। स्वास्थ्य के मामले में न तो अंधविश्वास उचित है और न ही बिना जानकारी के किसी चीज को पूरी तरह स्वीकार या अस्वीकार करना।

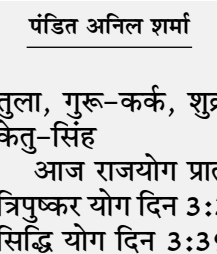
अंत में...स्वस्थ जीवन किसी एक उत्पाद से नहीं, बल्कि सही आदतों के संतुलन से बनता है।

शाली हो संतुलित, दिनचर्या हो नियमित,

व्यायाम बने जीवन का हिस्सा, तो स्वास्थ्य रहे सुरक्षित।

आज जरूरत इस बात की है कि हम बीमारी आने का इंतजार न करें, बल्कि पहले से ही अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। सही पोषण, नियमित व्यायाम और अनुशासित जीवनशैली को अपनाकर हम अपने वर्तमान को बेहतर और भविष्य को अधिक स्वस्थ बना सकते हैं। क्योंकि स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ विचारों और स्वस्थ समाज की मजबूत नींव है।

**–डॉ. लीलाधर दोचानिया,
सेवानिवृत्त (डिप्टी डायरेक्टर), राज.सरकार, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर,**

राशिफल मंगलवार 27 अक्टूबर, 2026	
	कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत-2083, भरणी नक्षत्र दिन 3:39 तक, सिद्धि योग दिन 10:53 तक, कौलव करण प्रातः 7:06 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 9:07 से वृष राशि में संचार करेगा।
	ग्रह स्थिति- सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह
	आज राजयोग प्रातः 7:02 से दिन 3:39 तक है। त्रिपुष्कर योग दिन 3:39 से रात्रि 4:07 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 3:39 से आरम्भ होगा। आज अशूच्य शयन व्रत है। द्वितीया तिथि का क्षय हुआ है।
	श्रेष्ठ चौघडिया- चर 9:22 से 10:47 तक, लाभ-अमृत 10:47 से 1:34 तक, शुभ 2:57 से 4:21 तक। राहुकाल- 3:00 से 4:30 तक, सूर्योदय 6:37, सूर्यास्त 5:44

	मे़ष व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आवश्यक धन खर्च हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
	वृष घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रहे।
	मिथुन आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक-हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। नौकरपेशा व्यक्तियों को आतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।
	कर्क व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चर्चेत कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

	सिंह नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटक-हुआ कार्य बने लगे। धार्मिक कार्यों में आभ भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।
	कन्या चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज यात्रा में दुर्घटना का भय है।
	तुला परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, धार्मिक-मौलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

	धनु परिवार में अनावश्यक वाद-विवाद हो सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
	मकर घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी।
	कुंभ परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
	मीन आर्थिक कारणों से अटक हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वनरक्षक भर्ती परीक्षा में बैठने वाला डमी और मूल अभ्यर्थी एसओजी के हत्थे चढ़े

आरोपी डमी अभ्यर्थी ने फर्जी फोटो व हस्ताक्षर से दी थी परीक्षा, 5 लाख रु. में किया था सौदा

—कार्यालय संवाददाता—

जयपुर। वनरक्षक सीधी भर्ती परीक्षा-2020 में फर्जीबाड़े के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने मूल अभ्यर्थी भारत मीणा (28) निवासी भुसावर जिला भरतपुर और उसकी जगह परीक्षा देने वाले डमी अभ्यर्थी दिनेश कुमार बिश्नोई (29) निवासी सांचौर जिला जालौर को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पृष्ठताछ की जा रही है। जांच में सामने आया कि भर्ती में नौकरी हासिल करने के लिए पांच लाख रुपए में सौदा तय हुआ था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस एसओजी विशाल बंसल के अनुसार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित



भारत मीणा व दिनेश कुमार बिश्नोई

वनरक्षक भर्ती परीक्षा में फर्जीबाड़े के संबंध में थाना एसओजी, जयपुर में 26 सितंबर 2025 को मामला दर्ज किया गया था। अनुसंधान के दौरान सामने आया कि भरतपुर जिले के भुसावर क्षेत्र निवासी भारत मीणा ने परीक्षा के लिए आवेदन किया था। लेकिन उसकी जगह जालौर

एसओजी की जांच में सामने आया कि डमी दिनेश बिश्नोई ने परीक्षा केंद्र में दाखिल होने के लिए मूल अभ्यर्थी भारत मीणा के प्रवेश पत्र और उपस्थिति पत्रक पर अपना फोटो लगाया था

जिले के सांचौर क्षेत्र निवासी दिनेश कुमार बिश्नोई ने परीक्षा दी।

एसओजी की जांच के अनुसार भारत मीणा ने वनरक्षक भर्ती में नौकरी हासिल करने के लिए

भरतपुर जिले के ठेकड़ा निवासी डालूराम मीणा से संपर्क किया था। इसके लिए पांच लाख रुपए में सौदा तय हुआ था। आरोप है कि इसी सौदे के तहत डालूराम मीणा के माध्यम से दिनेश कुमार बिश्नोई ने भारत मीणा के स्थान पर परीक्षा दी।

जांच में सामने आया कि डमी अभ्यर्थी ने परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए भारत मीणा के प्रवेश पत्र और उपस्थिति पत्रक पर अपना फोटो लगाया। इसके साथ ही भारत मीणा के फर्जी हस्ताक्षर कर उसके स्थान पर परीक्षा दी। एसओजी अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर फर्जीबाड़े से जुड़े अन्य तथ्यों और इसमें शामिल लोगों के संबंध में जांच कर रही है।

जेएजीएस-2026 में एक दिन में पहुंचे 5000 से अधिक आगंतुक

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में जयपुर एसोसिएशन जेमस्टोन शो (जेएजीएस-2026) के 30वें संस्करण का आयोजन किया गया। महापौर सुनील कोठारी ने दीप प्रज्वलन और फीता काटकर शो का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि विश्व प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य सुरभी गुप्ता थीं। इस अवसर पर शो की स्मारिका का विमोचन किया गया और सहयोगियों का सम्मान किया गया।

महापौर सुनील कोठारी ने कहा कि जयपुर के पूर्वज जौहरियों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से शहर को विश्व पटल पर रत्न नगरी के रूप में पहचान दिलाई। हालांकि, वर्तमान में बैंकों और हांगकांग जैसे शहर आगे निकल गए हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह दुबई की पहचान गोल्ड सिटी के रूप में है, उसी तरह जयपुर को जेमस्टोन सिटी के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए। जयपुर के 300वें स्थापना दिवस के लिए उन्होंने महारो जयपुर-थ्यारो जयपुर-थ्यारो जयपुर का नारा भी दिया। महापौर सुनील कोठारी ने कहा कि राजू मंगोड़ीवाला के व्यक्तित्व और प्रतिभा का लाभ जयपुर के आभूषण कारोबारियों के साथ पूरे शहर को मिल रहा है।

जयपुर ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला ने कहा कि जेएजीएस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हो रहा है। इसके माध्यम से जयपुर के कारीगरों द्वारा तैयार गए रंगीन रत्नों की दुनिया भर के खरीदारों तक पहुंचाया जाता है और रत्न व्यापारियों व विनिर्माताओं के बीच दीर्घकालीन व्यावसायिक संबंध बनते हैं। उन्होंने बताया कि जेएएस-2026 में दुबई और शारजाह के रत्न एवं आभूषण कारोबारी



महापौर सुनील कोठारी ने सोमवार को जयपुर एसोसिएशन जेमस्टोन शो के 30वें संस्करण का उद्घाटन किया।

संगठनों के साथ जयपुर के व्यापारिक संबंधों को आगे बढ़ाने की पहल की गई। इस बार शो में 210 बूथ लगाए गए। आयोजन के पहले दिन ही 5 हजार से अधिक आगंतुक पहुंचे। औपचारिक उद्घाटन से पहले ही खरीदारों का आना शुरू हो गया था और रात 9 बजे तक प्रदर्शनी में व्यापारिक खरीदारों की आवाजाही बनी रही। विशिष्ट अतिथि सुरभी गुप्ता ने कहा कि असली रंगीन रत्न जयपुर की प्रमुख पहचान हैं। जयपुर के जौहरियों ने अपनी ईमानदारी और व्यवहार से दुनिया भर में विश्वसनीयता कायम की है। उन्होंने

कहा कि ज्योतिष की सफलता में असली रत्नों की अहम भूमिका है और दोनों की विश्वसनीयता एक-दूसरे पर निर्भर करती है।

जयपुर ज्वेलर्स एसोसिएशन के महासचिव अजय गोधा ने कहा कि जेएजीएस में विनिर्माताओं और रत्न व्यापारियों के बीच सीधा संवाद होता है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शो की पहचान बढ़ रही है। शो के संयोजक प्रकाश बैद ने कहा कि इसका उद्देश्य जयपुर के रत्न एवं आभूषण कारोबार को उन्नत और प्रगति के अवसर उपलब्ध कराना है।

डीजीपी ने थपथपाई पुलिसकर्मियों की पीठ

पांच उत्कृष्ट कार्रवाइयां अक्टूबर माह के “बेस्ट पुलिस वर्क” में शामिल

जयपुर। राजस्थान पुलिस के पांच उत्कृष्ट कार्यों को अक्टूबर के दूसरे सप्ताह के ‘बेस्ट पुलिस वर्क ऑफ द वीक’ में शामिल किया गया है। इनमें 33 हजार वोल्ट के बिजली के पोल पर फंसे युवक की जान बचाने, बैंक ऋण चोरी के दो इनामी आरोपियों को पकड़ने, ज्वेलर्स डकैती के आरोपी की गिरफ्तारी, करीब 50 लाख रुपए के अवैध पटाखे जब्त करने और कलश यात्रा में जेवर चोरी करने वाली 28 महिलाओं को गिरफ्तार करने की कार्रवाई शामिल है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने संबंधित पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की सराहना की।

कांस्टेबल ने बचाई युवक की जान

खोराबीसल थाने के कांस्टेबल चालक सुनील कुमार ने 33 हजार वोल्ट के हाईटेंशन पोल ऑफ द वीक की चपेट में आकर लटके मोतीलाल ठाकुर (50) को साहस दिखाते हुए सुरक्षित नीचे उतारा। मध्यप्रदेश के सागर जिले के निवासी मोतीलाल बाबड़ी पहाड़ी की तलहटी स्थित कच्ची बस्ती में रह रहे थे। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

फर्जी ऋण मामले में दो इनामी गिरफ्तार

माणकचौक थाना क्षेत्र के राजलक्ष्मी महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक में फर्जी पट्टों और दस्तावेजों से 13 ऋण खाते खोलकर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने 10-10 हजार रुपए के दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया। मामले में बैंक की पूर्व अध्यक्ष, अधिकारियों, ऋणियों और

अधिवक्ताओं सहित 59 आरोपी नामजद हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश और राशि की बरामदगी में जुटी है।

डकैती का 25 हजार का इनामी पकड़ा

नेछवा थाना क्षेत्र के गनेड़ी में ज्वेलर्स से डकैती के मामले में वांछित रामेश्वर लाल सोनी उर्फ रेमेरा को पुलिस ने 10 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया। आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम था और वह जिला स्तर के शीर्ष 10 अपराधियों में शामिल था। वह करीब आठ महीने से फरार था।

50 लाख के अवैध पटाखे जब्त

जिला विशेष टीम और निवाई थाना पुलिस ने 12 अक्टूबर को आदित्य प्लाजा स्थित दुकानों पर कार्रवाई कर बिना लाइसेंस रखे 400 से अधिक कार्टन पटाखे जब्त किए। इनकी कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी तुलसी राम चंदानी को गिरफ्तार कर विस्फोटक अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया।

28 महिला टप्पेबाज गिरफ्तार

कुचामन सिटी में 12 अक्टूबर को शिव मंदिर से उग्रपुरा तक निकली भागवत कथा की कलश यात्रा के दौरान महिलाओं के सोने-चांदी के जेवर चोरी होने की घटनाओं पर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह की 28 महिलाओं को गिरफ्तार किया, जिनमें वारदात को सीधे अंजाम देने वाली चार महिलाएं भी शामिल हैं। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि पुलिसकर्मियों का साहस, संवेदनशीलता और सूझबूझ आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करती है। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले जवानों को प्रोत्साहित करने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही।

श्रीलंका उच्चायोग के दीपावली मिलन समारोह में शामिल हुए देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सोमवार को नई दिल्ली स्थित श्रीलंका के उच्चायोग में आयोजित ‘दिवाली डैजल नाइट-2026’ समारोह में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न देशों के राजदूतों और विशिष्ट अतिथियों से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी कार्सिल (इंडिया) तथा लार्यंस क्लब दिल्ली वेग की ओर से आयोजित समारोह में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखो, राजस्थान सरकार के प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार और राजस्थानी अकादमी के अध्यक्ष डॉ. गौरव गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। देवनानी ने अपने संबोधन में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े मर्यादा, कर्तव्य, त्याग और आदर्श का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रामायण जीवन को सही दिशा देने वाला शाश्वत संदेश है। भगवान श्रीराम का मर्यादित आचरण, माता सीता का धैर्य, लक्ष्मण का भ्रातृप्रेम और भरत का सत्ता के प्रति अनासक्ति का भाव आज भी समाज को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि रावण के अहंकार का अंत अन्याय और अधर्म के निश्चित अंत का संदेश देता है। दीपावली अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है।

‘प्रदेश में खाद की पर्याप्त उपलब्धता, किसान चिंतित ना हो’

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने कहा कि रबी सीजन में प्रदेश के किसानों को खाद की उपलब्धता को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार मांग के अनुसार जिलों में उर्वरकों की आपूर्ति कर रही है। उन्होंने किसानों से अफवाहों में आकर जरूरत से ज्यादा खाद खरीदने और भंडारण नहीं करने की अपील की। मंत्री ने बताया कि 25 अक्टूबर 2026 तक अक्टूबर माह की 4.60 लाख मीट्रिक टन यूरिया की मांग के मुकाबले 6.32 लाख मीट्रिक टन उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। वहीं, डीएपी की दो लाख मीट्रिक टन मांग के मुकाबले 2.23 लाख मीट्रिक टन उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में प्रदेश में 3.93 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 92 हजार मीट्रिक टन डीएपी, 92 हजार मीट्रिक टन एनपीके और 1.72 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का स्टॉक उपलब्ध है।

डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और यूरिया के अभाव इस्तेमाल पर रुक लगाने के लिए अब तक 13,445 उर्वरक विक्रय परिसरों का निरीक्षण किया गया है। अनियमितताओं पर 133 उर्वरक लाइसेंस निलंबित या निरस्त किए गए हैं। 30 मामलों में एफआईआर दर्ज हुई और 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यूरिया के अवैध इस्तेमाल के मामलों में 1,351 बैग जब्त किए गए, जबकि गुणवत्ता नियंत्रण कार्रवाई के तहत विभिन्न उर्वरकों के 12,325 बैग जब्त किए जा चुके हैं।

गुजरात में होने वाली राष्ट्रीय एकता दिवस परेड राजस्थान के सभी पुलिस थानों में दिखेगी

31 अक्टूबर को सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में होगा आयोजन

जयपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय एकता दिवस परेड का राजस्थान के सभी पुलिस थानों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। शाम 5:30 बजे से बड़ी स्क्रीन पर होने वाले प्रसारण में पुलिसकर्मियों के साथ आम नागरिक भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समारोह को संबोधित करेंगे।

इस आयोजन में पुलिसकर्मियों के साथ एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, स्कूट-ऑटो-गाइड, युवा क्लब, सुरक्षा सखी, सीएलजी सदस्य और पुलिस मित्र भाग लेंगे। इसके अलावा पुलिसकर्मियों के परिवार, पुलिस प्रशिक्षु और आरएसई बटालियनों के जवान भी समारोह देखेंगे। पहल का उद्देश्य पुलिस के सास, कर्तव्यनिष्ठा और देश की

आंगनबाड़ी केंद्रों पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं बढ़ाएं : मुख्य सचिव

‘98.5 प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्र विद्यालयों से जुड़े, 1000 कार्यकर्ताओं का चैंपियन के रूप में चयन हुआ’

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने शाला पूर्व देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) में किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कुपोषण में कमी लाने और आंगनबाड़ी केंद्रों पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में विभाग की शासन सचिव पूनम, समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) के निदेशक वासुदेव मालावत, वित्तीय सलाहकार मनोज शाहिल्य सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) आधारित आधारशिला पाठ्यक्रम को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। इस पाठ्यक्रम के तहत खेल, गतिविधियों और अन्वेषण आधारित शिक्षण से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जा रहा है। विभाग की उपलब्धियों के अनुसार, प्रदेश के 61,483 यानी 98.5 प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्रों को विद्यालयों के साथ जोड़कर मैप किया जा चुका है। वहीं, उत्कृष्ट कार्य करने वाली 1,000 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को चैंपियन के रूप में चुना गया है। इनके लिए 90 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। ये कार्यकर्ता अपनी ग्राम पंचायत के तीन से चार आंगनबाड़ी केंद्रों को मार्गदर्शन



महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक में शासन सचिव पूनम ने मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास का स्वागत किया।

देंगे। प्रवेशोत्सव के तहत पांच से छह वर्ष आयु वर्ग के 2.47 लाख से अधिक बच्चों ने नजदीकी विद्यालयों का भ्रमण किया, जिससे विद्यालयों में नामांकन को प्रोत्साहन मिला। अभिभावक बैठकों के माध्यम से उनकी सहभागिता भी बढ़ाई जा रही है। वहीं, पोषण ट्रैकर के जरिए महिलाओं और बच्चों की पोषण स्थिति की नियमित निगरानी की जा रही है। मुख्य सचिव ने बाल स्वास्थ्य एवं पोषण के मानकों में पीछे रहने वाले जिलों

जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र में विकास तेज, रेलवे साइडिंग को मंजूरी

■ पाली जिले के रोहट में एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप विकसित होगी, 400 करोड़ की लागत से जल-विद्युत लाइनें बिछेंगी

■ इस टाउनशिप में 30 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन शुरू; 31 अक्टूबर तक आवेदन होंगे

वर्गमीटर भूमि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड को गैस टर्मिनल और सीएनजी स्टेशन स्थापित करने के लिए आवंटित करने में मंजूरी दी है। फेज-1 की संशोधित लेआउट योजना में कपड़ा, औषधि,

पर विशेष ध्यान देने, नियमित क्षेत्रीय भ्रमण और औचक निरीक्षण करने तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आवश्यक दक्षता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक केंद्र पर बिजली, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा और बेहतर पोषण सेवाओं से बच्चों का स्वस्थ एवं सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाए।

अपशिष्ट पुनर्चक्रण, कृषि प्रसंस्करण और सामान्य उद्योगों के लिए अलग-अलग पार्क प्रस्तावित हैं। औद्योगिक क्षेत्र में प्रत्यक्ष आवंटन के तहत 4,000 रुपए प्रति वर्गमीटर की आधार दर पर 30 फूट डेढ़ उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें 28 औद्योगिक उपयोग और दो मोटल-रेस्टोरेंट के लिए हैं। आवेदन 31 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे तक किए जा सकेंगे। कई देशी-विदेशी कंपनियों ने भी यहां औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने में रुचि दिखाई है।

टाउनशिप में निर्बांध जल और बिजली आपूर्ति के लिए करीब 400 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से समर्पित लाइनें बिछाई जा रही हैं। इसमें परियोजना स्थल तक 220 केवी की दोहरी विद्युत लाइन शामिल है। टाउनशिप में प्रवेश के लिए वाहन अंडरपास भी चालू कर दिया गया है।

जयपुर-भरतपुर और कोटा संभाग में बारिश का अलर्ट

जयपुर। राजस्थान में अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। एक ओर रात के तापमान में गिरावट के साथ सर्दी का असर बढ़ने लगा है, वहीं दूसरी ओर दिन में पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों में तेज गर्मी बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अगले तीन दिन मौसम मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है। इसके बाद 29 अक्टूबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। इसके प्रभाव से जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग के कुछ इलाकों में आंधी और बारिश की संभावना बताई गई है। प्रदेश में रात के तापमान में गिरावट का दौर जारी है। रविवार रात सीकर जिले के फतेहपुर और माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस मापा गया। वहीं, सिराही में रात का तापमान 14.3 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश के 15 से अधिक शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे होने से रात और सुबह के समय ठंडक महसूस होने लगी है।

ई-चालान के फर्जी लिंक पर क्लिक करते ही खाते से 4.40 लाख रुपए पार

जयपुर (कासं)। खोराबीसल थाना इलाके में ई-चालान के नाम पर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। उगों ने वाहन चालक का फर्जी संदेश भेजकर एक व्यक्ति को जाल में फंसाया और उसके बैंक खाते से 4.10 लाख रुपए निकाल लिए। इसके बाद बैंक ऑफ इंडिया के क्रेडिट कार्ड से भी 30 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने थाने में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मामला दर्ज करवाया है।

थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि नांवल जैसा बोहरा निवासी सुनील कुमार टेलर (51) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह 21 अक्टूबर को उनके मोबाइल पर ई-चालान का संदेश आया था। इसमें चालान का भुगतान करने के लिए एक लिंक दिया गया था। चालान

■ साइबर ठगों ने पहले पहले बैंक खाते से 4.10 लाख निकाले, फिर क्रेडिट कार्ड से भी 30 हजार रुपए उड़ाए

की जानकारी लेने और भुगतान प्रक्रिया समझने के लिए उन्होंने लिंक पर क्लिक किया।

आरोप है कि इसके बाद साइबर ठगों ने उनकी बैंक संबंधी जानकारी हासिल कर लिए (51) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह 21 अक्टूबर को उनके मोबाइल पर ई-चालान का संदेश आया था। इसमें चालान का भुगतान करने के लिए एक लिंक दिया गया था। चालान

के संदेश आने के बाद उन्हें ठगी का पता चला। पीड़ित ने रविवार शाम खोराबीसल थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साइबर ठग ई-चालान, लंबित चालान, वाहन की जानकारी अद्यतन करने और वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) व ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) के सत्यापन के नाम पर फर्जी संदेश, लिंक और ई-मेल भेजकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। इन लिंक के जरिए लोगों को नकली वेबसाइट पर ले जाया जाता है, जहां बैंक संबंधी जानकारी चोरी होने का खतरा रहता है। कुछ मामलों में एपीके फाइल डाउनलोड करवा कर मोबाइल की सुरक्षा से समझौता कराया जाता है।

आने वाले समय में जल्द ही आबूरोड में एयर स्ट्रिप का काम होगा : सीएम भजनलाल

आबूरोड के ब्रह्माकुमारी संस्थान में चल रहे वैश्विक शिखर सम्मेलन का समापन

जालोर/आबूरोड, (कासं)। ब्रह्माकुमारी संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में चल रहे वैश्विक शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी, अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. मृत्युंजय भाई ने भाग लिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने आबूरोड और आबूराज को लेकर बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि आबूराज क्षेत्र के विकास के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। ब्रह्माकुमारी की ओर से आबूरोड में एयर स्ट्रिप के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे और मांग की जा रही है। यहां एयर स्ट्रिप बनाने के लिए हमने भारत सरकार से आग्रह किया है। साथ ही जो पैसा भरना था वह भी भर दिया है। आने वाले समय में जल्द ही आबूरोड में एयर स्ट्रिप का काम होगा। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष नबीन और सीएम शर्मा ने कुछ देर तक मेडिटेशन रूम में ध्यान भी लगाया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान राजयोग



ब्रह्माकुमारी संस्थान में आयोजित सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सम्मान किया गया।

के माध्यम से व्यक्ति के मन में शांति, शक्ति और ऊर्जा का संचार कर विश्व कल्याण के लिए काम कर रहा है। योग और आध्यात्मिकता हमें अपने भीतर देखने और आत्म सुधार की प्रेरणा देते हैं। संस्थान भारत के विचारों को दुनिया तक पहुंचाने में इसी प्रकार कार्य कर रहा है। साथ ही आत्म चिंतन, राजयोग के साथ विभिन्न सामाजिक अभियानों में भी भागीदारी करता रहा है। एक

तरफ हम तीर्थ स्थलों के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं तो दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण के लिए कदम भी उठा रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान की 90 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर दृष्टि डालते तो वर्ष 1936 में प्रारंभ हुई यह यात्रा अनेक चुनौतियों के बावजूद निरंतर आगे बढ़ती रही है। प्रारंभ में

आठ युवा बहनों के समर्पण से शुरू हुई यह यात्रा आज विशाल स्वरूप लेकर विश्वभर में मानव कल्याण और आध्यात्मिक जागृति और समाज की संजीवनी देने का कार्य कर रही है। माउंट आबू की इस पवित्र नगरी को ब्रह्माकुमारी ने योग और साधना की भूमि के रूप में नई पहचान दी है। महर्षियों और ऋषियों की तपोभूमि को आध्यात्मिक साधना का प्रमुख केंद्र

■ **समापन सत्र में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदा ने भाग लिया**

बनाने में ब्रह्माकुमारी परिवार का योगदान सराहनीय है। भाजपा अध्यक्ष नबीन ने कहा कि आध्यात्मिक जागृति, सकारात्मक चिंतन, सेवा और समर्पण को भावना इस राष्ट्रीय संकल्प को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ने भारत के योग को विश्व में प्रसिद्ध करने में भूमिका निभाई। ब्रह्माकुमारी मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी ने आशीर्वाचन देते हुए कहा कि 90 वर्ष पहले परमपिता परमात्मा शिव बाबा ने ब्रह्मा बाबा को दिव्य दृष्टि दी, उनको जो ज्ञान और आदेश मिला। उसको लेते हुए 90 वर्ष की यात्रा चली।

सादुलपुर में ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी, पति-पत्नी की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर क्षेत्र में लगातार हो रहे हादसों से हड़कंप मचा हुआ है। वहीं सादुलपुर क्षेत्र में सड़क हादसों में तीन दिन में नौ लोगों की मौत हो चुकी है। इसी कड़ी में सादुलपुर-सिद्धमुख सड़क मार्ग पर सिद्धमुख रोड पुलिया के पास स्थित पेट्रोल पम्प के पास ट्रक-ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार अशोक कुमार की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी पूजा गंभीर रूप से घायल हो गई थी, जिसकी उपचार के दौरान चूरू के अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक पति पत्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग

■ **ईट-भट्ठा पर काम करके अपनी मोटरसाइकिल से घर आ रहे थे**

ने बताया कि राजगढ़ थाने में दी गई रिपोर्ट के अनुसार रामनिवास पुत्र लीलाराम रैगर निवासी वार्ड नं. 36 कस्बा राजगढ़ ने बताया कि उसके ताक का लड़का बड़ा भाई अशोक कुमार पुत्र ऑंकारमल व उसकी पत्नी पूजा ईट भट्ठा पर काम करके अपनी मोटरसाइकिल से घर की ओर आ रहे थे। जैसे ही सिद्धमुख रोड पुलिया के पास स्थित पेट्रोल पम्प के पास पहुंचे तो ट्रक ट्रेलर चालक ने अपने वाहन ट्रक-ट्रेलर को

लापरवाही से चलाकर उसके भाई अशोक कुमार व अशोक कुमार की पत्नी पूजा को टक्कर मार दी, जिससे उसके भाई व भाभी को गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचा, अपने भाई-भाभी को लेकर श्रीनाथ जी हास्पिटल सादुलपुर लेकर आये तो डॉक्टर ने उसके भाई अशोक कुमार को गंभीर चोटें आने के कारण मृत घोषित कर दिया, जबकि उसकी भाभी पूजा की हालत गंभीर होने के कारण उसे चूरू रैफर कर दिया गया। जहां उसकी भाभी पूजा पत्नी अशोक कुमार की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। राजगढ़ थाना पुलिस ने रामनिवास की रिपोर्ट पर ट्रक-ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर प्रकरण की शुरु की गई है।

जोधपुर में दो घरों और दुकान में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के सरदारपुरा, विवेक विहार में दो घरों और कुड़ी में एक इलेक्ट्रानिक की दुकान में चोरों ने सैधमारी कर हजारों के आभूषण के साथ नगदी और सामान पर हाथ साफ किया। सरदारपुरा पुलिस के अनुसार कुम्हारों का बास सरदारपुरा निवासी हरदेव पुत्र मोहनलाल ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वे 11 वीं रोड पर आर्य जितेंद्र सिंघो के मकान में देखेखच करते हैं। 24 अक्टूबर की रात को चोरों ने ताले तोड़कर प्रवेश किया और वहां से कीमती सामान आदि चोरी कर ले गए। वहीं विवेक विहार थाना पुलिस ने बताया कि मूलतः पोकरण के बरानाडा हाल विवेक विहार निवासी हुकमसिंह पुत्र कालूसिंह ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह 23 अक्टूबर की शाम को अपने

घर को लॉक कर गांव गया था। सुबह पड़ौसी ने सूचना दी कि घर का गेट खुला पड़ा है। वापिस मोबाइल पर चेक किया तो पता लगा कि अलसुबह 5.21 बजे कैमरे बंद कर दिए गए। चोरों ने वार्डफाई सिस्टम को तोड़कर घर से 33 हजार रूपए, सोने की अंगूठी, कान का पत्ता, चांदी के जेवरत, देवताओं की प्रतिमाएं आदि चोरी कर ले गए।

कुड़ी भगतासनी पुलिस ने बताया कि मानपुरा झालामंड निवासी दिनेश पुत्र श्रवणराम प्रजापत की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी मोती मार्केट में सोनिया इलेक्ट्रानिक नाम से दुकान आई है। रात के समय में चोरों ने सैध लगाकर वहां से हजारों रूपए, दो पंखे और बिजली फिटिंग का सामान चोरी कर ले गए।

जयपुर इंटरसिटी ट्रेन पर पथराव

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। जयपुर से रवाना हुई इंटरसिटी ट्रेन पर फुलेरा से निकलते ही चलती ट्रेन में पथराव होने से एक यात्री घायल हो गया। जयपुर से उदयपुर जा रहे घायल यात्री को किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर उतारकर व यहां राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 3.20 बजे अज्ञात बदमाशों ने फुलेरा से निकलते ही इंटरसिटी पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे कोच नं 8 में बैठा यात्री उदयपुर निवासी अभिनव अवस्थी सिर में पथर की चोट लगने के कारण लहलुहान हो गया। आरपीएफ चौकी इंचार्ज हरीश जांगिड़ ने बताया कि सिर में गंभीर चोट लगने पर घायल यात्री को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया है। साथ ही पथर फेंकने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिये कार्यवाही शुरू कर दी है।

महिला से दुष्कर्म का प्रयास

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। रुदावल थाना क्षेत्र के एक गांव में एक विवाहिता के साथ खेत पर जाते समय दुष्कर्म का प्रयास करने और विरोध करने पर परिजनों के साथ घर में चुसकर मारपीट करने, पथराव कर घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ करने व नगदी-जेवरत चुराने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर पीड़िता की ओर से इस्तगासा के माध्यम से पुलिस में मामला दर्ज कराया है।

रिपोर्ट में बताया है कि उसका पति बाहर प्रदेश में मजदूरी का कार्य करता है। इसी का फायदा उठाकर गांव का ही पूरन जाटव बुरी नीयत रखता था। आरोप है कि आरोपी ने चुपके से पीड़िता का नहाते हुए वीडियो बना लिया था और उसे इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा था। साथ ही राह चलते फबियाय कसता था। जब पीड़िता अपने बोर वाले खेत पर

पशुओं के लिए चारा लेने जा रही थी, तभी गांव से बाहर खेतों में खड़ी फसल के पास आरोपी पूरन ने जबरन दुष्कर्म का प्रयास किया। इस दौरान पीड़िता की चीख-पुकार सुनकर राहगीर मौके पर आ गए, जिन्हें देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी जब पीड़िता ने अपने परिजनों को दी, तो वह अपनी सास के साथ आरोपी के घर उलाहना देने व बातचीत करने गई। इस पर आरोपी पूरन, लक्ष्मण, जियालाल, राहुल, विपिन, गुलाबो, रिकी, संविता और हुकमबाई ने एकराय होकर दोनों सास-बहूओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। जान बचाकर जब पीड़िता और उसकी सास अपने घर की तरफ भागीं, तो हमलावरों ने पीछे से पथराव कर दिया और उनके घर में चुसकर मारपीट की। रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान मौका पाकर आरोपी पक्ष पीड़िता को ननद का बैग चुराकर ले गई।

पिलानी में युवक की हत्या, परिजनों ने आरोपी को पकड़ा

लिव इन में साथ रह रही युवती के पति ने घर में घुसकर युवक पर हथियार से हमला किया

पिलानी, (निसं)। पिलानी कस्बे के वार्ड नम्बर 18 में लिव इन रिलेशनशिप में युवती के साथ रह रहे युवक की युवती के पति ने बीती रात चाकू मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि रानीसती मन्दिर के पास रहने वाला सतीश जाट रात 10 बजे वार्ड नम्बर 18 में राजेश उर्फ सोनू कुमावत उर्फ माइकल के घर में घुस गया और चाकू से ताबड़तोड़ उस पर हमला कर दिया।

बताया जा रहा है कि आरोपी दीवार फांद कर घर में घुसा था। चीख पुकार सुनकर पहुंचे परिजनों ने सतीश जाट को काबू किया। बाद में घायल सोनू को परिजन पिलानी के निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां से हालत गम्भीर होने पर उसे झुंझुनू के लिए रैफर किया गया था, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने सतीश जाट को गिरफ्तार कर लिया। मृतक युवक की परिजनों ने जब आरोपी को काबू किया, तब मारपीट में वह भी घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी को अस्पताल में भर्ती



करवाया है, जहां उसका उपचार जारी है। आरोपी सतीश पेशे से ड्राइवर है जबकि मृतक राजेश आजीविका के लिए मजदूरी का काम करता था। मृतक राजेश उर्फ सोनू कुमावत उर्फ माइकल (33) पुत्र मोहनलाल कुमावत आंबिवाहित था तथा पिछले 6 माह से एक युवती के साथ लिव इन रिलेशनशिप में था। युवती मृतक युवक के साथ उसके घर पर ही रह रही थी। पता चला है कि उक्त युवती पश्चिम बंगाल की रहने वाली है जिसे आरोपी सतीश जाट शादी करके अपने साथ लाया था। करीब 6 माह पहले

■ **मृतक राजेश अंबिवाहित था तथा 6 माह से एक युवती के साथ लिव इन रिलेशनशिप में था**

युवती आरोपी को छोड़ कर मृतक युवक के घर पर रहने के लिए आई थी। इसी बात को लेकर सतीश जाट राजेश से रंजिश रखता था। पहले भी इस मामले में दोनों के बीच कहासुनी हुई बताते हैं। हालांकि मृतक के परिजनों का कहना है कि मृतक युवक ने साथ रह रही युवती के साथ 6 माह पूर्व शादी कर ली थी। घटना के बाद चिड़ावा सीओ गौरव गुर्जर तथा पिलानी सीआई अलका विश्नोई ने भी मौके का मुआयना किया है। मृतक के पिता द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम करवा कर व अन्य औपचारिकताओं के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।

भीलवाड़ा में 5,850 किलो खाद्य सामग्री सीज़, मिठाई दुकानों से नमूने लिये

भीलवाड़ा, (निसं)। दीपावली के त्योहार पर आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संघु के निर्देशानुसार जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में सोमवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा की अगुवाई में खाद्य सुरक्षा विभाग की दो टीमों ने विभिन्न स्थानों पर सघन निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई की। इस दौरान मिर्चों मंडी स्थित एक कोल्ड स्टोरेज से कुल 5,850 किलोग्राम खाद्य सामग्री सीज की गई तथा विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों से भी खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए।

सीएमएचओ डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि मिर्चों मंडी स्थित कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण कर वहां रखी विभिन्न खाद्य सामग्री के नमूने लिए गए। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक संबंधित खाद्य सामग्री को सीज करने की कार्रवाई की गई। सीज की गई सामग्री में लगभग 2,000 किलोग्राम काजू, 1,050 किलोग्राम अजवाइन, 600 किलोग्राम सौंफ, 700 किलोग्राम किशमिश तथा 1,500 किलोग्राम लाल मिर्च पाउडर शामिल है। कुल 5,850 किलोग्राम खाद्य सामग्री को सीज कर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान सीएमएचओ डॉ. संजीव कुमार शर्मा के साथ डॉ. दिलराज मीणा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव, नीरज कुमार, कुलदीप चैधरी सहित अन्य मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की दूसरी टीम ने कोटडी स्थित चारपुजा मिष्ठान भंडार से फीका मावा एवं रसगुल्ले का नमूना लिया। वहीं, बजरंग मिष्ठान भंडार से बीजीकी केसरबाटी तथा जोधपुर मिष्ठान



भीलवाड़ा में दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई की।

भंडार से बर्फी एवं रसगुल्ले के नमूने लिए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला, अजमेर भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान बीसीएमओ डॉ. सुरेश कुमार शर्मा तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी पवन कुमार रेगर एवं विजय मेहता मौजूद रहे।

अलवर में 300 रुपए किलो बिक रहा था घी

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में कम कीमत पर घी बेचे जाने की सूचना पर खाद्य विभाग की टीम ने एक दुकान पर छापा मारकर करीब 100 किलो घी जब्त किया है। दुकान पर घी 300 रुपए प्रति किलो के भाव से बेचा जा रहा था। खाद्य विभाग की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए घी को जब्त कर लिया। अब घी की गुणवत्ता और उसमें मिलावट की स्थिति जांच रिपोर्ट आने

■ **अलवर में खाद्य विभाग की टीम ने छापा मार 100 किलो घी जब्त किया**

के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। खाद्य विभाग के इंस्पेक्टर केशव गोयल ने बताया कि संबंधित दुकान पर करीब 300 रुपए प्रति किलो की दर से घी की बिक्री की जा रही थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुकानदार पिछले करीब दो साल से यह कारोबार कर रहा था। कम कीमत पर घी बेचे जाने की सूचना मिलने के बाद विभाग ने कार्रवाई की।

वहीं, दुकानदार ने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि बाहर से ग्राहक की खरीदने आते हैं। उसके अनुसार, उसे घी 280 रुपए प्रति किलो के भाव से मिलता है और वह इसे 300 रुपए प्रति किलो की दर से बेच रहा था। फिलहाल खाद्य विभाग ने करीब 100 किलो घी जब्त किया है।

युवती को भगाने का आरोप

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पूर्व में एक युवती अपने घर से लापता हो गई। उसके भाई ने धर्म परिवर्तन के इरादे से भगाकर ले जाने का अंदेश जताते हुए नामजद रिपोर्ट दी है। फिलहाल युगल का पता नहीं चला है। मालाला रविवार को थाने में दर्ज कराया गया। पुलिस मोबाइल नंबर से ट्रेस करने का प्रयास कर रही है।

जिला पूर्व में डोंगियावास क्षेत्र से एक युवती अपने घर से दो दिन पहले लापता हो गई। उसके घर नहीं आने, रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी नहीं मिलने पर उसके भाई ने एक युवक को नामजद करते हुए उसे धर्म परिवर्तन के लिए भगाने का संदेश जताया और केस दर्ज कराया है। डोंगियावास पुलिस गांव की युवती के साथ युवक की भी तलाश में जुटी है। फिलहाल उनका सुराग हाथ नहीं लगा है।

तस्कर को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। भोजासर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करि के मामले में 4 साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी को पकड़ा है। वह चित्तौड़गढ़ जिले के राशमी थाने में एनडीपीएस एक्ट, हत्या के प्रयास और आम्रस एक्ट के मामलों में वांछित था। पुलिस अधीक्षक फलोदी आदित्य काकड़े के निर्देश पर यह कार्रवाई हुई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराज सिंह चारण, सीओ भवानी सिंह और थानाधिकारी जमील खान की देखरेख में एएसआई गोरधनराम और टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी भगवानगर, भीयासर निवासी सुभाष विश्नोई को पकड़ा। उसे आगे की जांच के लिए राशमी थाना पुलिस को सौंप दिया गया।

कोटपूतली में दुकान बंद कर घर लौट रहे व्यक्ति को ट्रेलर ने कुचला, मौत

मुआवजे व नौकरी की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे से होकर गुजर रहे दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर निकटवर्ती ग्राम गोरधनपुरा स्थित पुलिया के नीचे रविवार देर शाम हुए एक दर्दनाक हादसे ने एक और परिवार का चुरहा बुझा दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजनौता रोड़ पर बिजली सामान की दुकान करने वाला मृतक महेन्द्र (45) पुत्र स्व. लालचंद कुमावत निवासी कुम्हारों की ढाणी, कुजोता रोजमर्रा की तरह रविवार शाम अपनी दुकान बंद कर अपनी बाइक द्वारा घर जा रहा था, तभी गोरधनपुरा पुलिया के नीचे एक बेकाबु ट्रेलर ने लापरवाहीपूर्वक उस पर वाहन चढ़ा दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तुरन्त बाद मृतक के शव को राजकीय बीडीएस जिला अस्पताल के मुद्दीघर में रखवाया गया, शाम होने के चलते जहां मृतक का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। वहीं दूसरी ओर घटना की सूचना मृतक के घर पहुंचने ही हाहाकार मच गया। बताया जा रहा है कि मृतक के पिता का पहले ही निधन हो चुका है, घर में मां व पत्नी के अलावा 3 पुत्रियां व 1 पुत्र है, जो



मुआवजा व नौकरी की मांग को लेकर ग्रामीण घटना स्थल के पास ही धरने पर बैठ गए।

कि 10 वीं कक्षा में अध्ययनरत है। मृतक अकेला कमाने वाला था, घटना के बाद उसके परिजनों पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सोमवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण 2 करोड़ रूपया मुआवजा व नौकरी की मांग को लेकर घटना स्थल

पुलिया के पास ही धरने पर बैठ गये। सूचना पर पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, कांग्रेस नेता सुभाष घोषड़, विक्रम सिंह लीडर, एड. मुकेश यादव, सेवा दल जिलाध्यक्ष व सरपंच रघुवीर सिंह यादव, कुजोता के पूर्व सरपंच नेतराम ताखर, कमल खटना

समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण भी धरने पर पहुंच गये। वहीं सरूण्ड एसएचओ यशपाल सिंह, तहसीलदार रामधन गुर्जर व कोटपूतली एसएचओ कुण्ठ कुमार भी मौके पर पहुंचे। ग्रामीण मुआवजे व नौकरी सहित पुलिया के पास पुलिस चौकी एवं स्पीड ब्रेकर

■ **कुजोता-राजनौता मार्ग पर गोरधनपुरा पुलिया के नीचे की घटना**

लगवाये जाने की मांग पर अड़े रहे। पूर्व संसदीय सचिव कसाना ने कहा कि उक्त मार्ग पर अल्ट्राटेक सीमेंट कम्पनी व नेशनल लाईम स्टोन के बेकाबु डम्पर व ट्रेलर धड़ल्ले से अनियंत्रित होकर चलते हैं, जिससे आये दिन ऐसी घटनायें सामने आती हैं। ग्रामीणों का यह भी कहना था कि दुर्घटना में प्रयुक्त डम्पर नेशनल लाईम स्टोन कम्पनी का है। जिसके नाम पर ही डम्पर का रजिस्ट्रेशन भी है। वहीं दुसरी ओर प्रशासन ने राज्य सरकार की चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना व मुख्यमंत्री सहायता कोष से मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। धरना स्थल पर एसडीएम योगेश सिंह देवल भी पहुंचे, तहसीलदार रामधन गुर्जर ने बताया कि धरणाधियों की मांगों दोनों कम्पनी तक पहुंचा दी गई है, उन्होंने जल्द ही ठोस आश्वासन की उम्मीद जताई।

पुरानी दिल्ली से जयपुर आया 3.45 लाख रु. के नकली नोटों का जखीरा

नकली नोटों को दीपावली और पंचायत चुनाव में खपाने की तैयारी थी

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर । दीपावली के त्योहार और पंचायतीराज चुनावों के दौरान बाजार में नकली नोट खपाने की तैयारी का मामला सामने आया है। जिसके चलते जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम स्पेशल टीम (सीएसटी) ने भट्टाबस्ती थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर 3 लाख 45 हजार रुपए मूल्य के नकली नोट बरामद किए हैं। पुलिस ने नाहरी का नाका स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी शाहवाज खान (33) को पकड़ा है। आरोपी के कब्जे से 500-500 रुपए के नकली नोट मिले हैं। उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भट्टाबस्ती थाना पुलिस को सौंप दिया गया है, जहां मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश के अनुसार एनडीपीएस युनिट से मिली सूचना के आधार पर सीएसटी ने कार्रवाई की। प्रारंभिक पूछताछ में नकली नोट पुरानी दिल्ली में जामा मस्जिद के आसपास के क्षेत्र से लाने की बात कही है। वह इन्हें दीपावली के त्योहार



आरोपी शाहवाज खान और उसके कब्जे से जब्त नकली नोट

के दौरान जयपुर के बाजार में खपाने की तैयारी में था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नकली नोटों की आपूर्ति करने और उन्हें बाजार में चलाने के नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पूछताछ में आरोपी ने एक लाख रुपए की असली मुद्रा के बदले तीन लाख रुपए के नकली नोट देने की बात भी बताई है। पुलिस इस कथित सौदे और नकली मुद्रा की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी



■ जयपुर पुलिस ने नाहरी का नाका क्षेत्र से आरोपी को दबोचा और उसके कब्जे से 500-500 रुपए के नोट बरामद किए

अंतर नजर आता है। पुलिस की जांच में बरामद नोटों में से एक पर ऊपर और नीचे दो अलग-अलग सीरियल नंबर अंकित मिले।

इससे नोट के नकली होने की पुष्टि करने में मदद मिली। पुलिस नकली मुद्रा के खोज, स्थानीय संपर्क और बाजार में इसे खपाने की संभावित योजना की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार नकली नोटों के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई उप निरीक्षक प्रकाश पौर, हेड कांस्टेबल मरगुब और रामकिशन तथा कांस्टेबल ललित कुमार, रामदयाल, बबलू कृष्ण और भंवर सिंह शामिल रहे।

पशु चिकित्सा और पशुधन संरक्षण में अग्रणी बनें राजस्थान : बागड़े

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय आय और रोजगार का प्रमुख आधार है। राजस्थान दुग्ध उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा और पशुधन संरक्षण में भी राजस्थान देशभर में अग्रणी बने। वे सोमवार को राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जोबनेर में आयोजित ‘डिजिटल युग में पशु चिकित्सा’ विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान में देश का सर्वाधिक देशी पशुधन है। राठी और थारपालक जैसी नस्लों के संरक्षण के साथ पशुओं के संतुलित आहार, स्वास्थ्य और नस्ल सुधार पर वैज्ञानिक तरीके से काम करना जरूरी है। उन्होंने पशु चिकित्सकों से रोग निदान में संवेदनशीलता बरतने और पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन पहल के तहत देश में 35 करोड़ से अधिक पशुओं को 12 अंकों की विशिष्ट ‘पशु आधा



राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय जोबनेर में संगोष्ठी को संबोधित किया।

पहचान दी जा रही है। इससे पशुओं के स्वास्थ्य रिकॉर्ड और टीकाकरण संबंधी जानकारी रखने में मदद मिलती है। पशु चिकित्सकों को पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों का समन्वय करना चाहिए।

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री दुग्ध संबल योजना और सरस डेयरी के विस्तार की सराहना करते हुए छोटे किसानों और

गरीब पशुपालकों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने बताया कि राजस्थान से मिलती हैं। पशुओं में भी निर्यात होता है। इससे पहले राज्‍यपाल ने पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. त्रिभुवन शर्मा ने संगोष्ठी की जानकारी दी।

घर में चोरी करने घुसे युवक ने महिला से मारपीट की

जयपुर । भट्टाबस्ती इलाके में घर में चोरी करने घुसे युवक ने महिला के साथ मारपीट कर दी। महिला ने उसे चोरी करते देख लिया था। इस पर आरोपी ने उनका हाथ मोड़कर नीचे गिरा दिया और शोर मचाने पर कपड़े से मुंह ढका दिया। महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने पीड़िता के बेटे की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

एसएसआई मदनलाल ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड, भट्टाबस्ती निवासी घनश्याम खियानी (25) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि गत दो दिनों पहले उसकी मां आशा खियानी घर पर अकेली थीं। आरोप है कि पहले घर पर इलेक्ट्रिशियन का काम कर चुका मोहम्मद साहिल चोरी की नीयत से घर में घुसा और मंदिर में रखे रुपए चुराने लगा। इसी दौरान आशा ने उसे देख लिया। महिला के विरोध करने पर आरोपी ने उनका हाथ मोड़कर नीचे गिरा दिया। मारपीट में उनके चेहरे पर चोट आई और एक दांत

■ महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने आरोपी को दबोचा और पुलिस के हवाले किया

भी टूट गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और महिला के साथ हाथपाई करते आरोपी को पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची भट्टाबस्ती थाना पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी मोहम्मद साहिल भट्टाबस्ती का निवासी है और इलेक्ट्रिशियन का काम करता है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने दावा किया कि वह इलेक्ट्रिशियन का काम करने गया था और गलती से दूसरे घर में घुस गया। उसके अनुसार, बाहर निकलते समय महिला ने उसे चोर कहकर पकड़ लिया और बचने के लिए धक्का देने पर वह गिर गई। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाया है। मामले की जांच जारी है।

युवा कांग्रेस ने निकाला पैदल मार्च

जयपुर । वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब के नेतृत्व में शहीद स्मारक से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय तक “वोट बचाओ-देश बचाओ” अभियान के तहत पैदल मार्च निकाला गया। कार्यकर्ताओं ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित इंडिया गठबंधन की महारैली में शामिल होने का आव्हान किया। युवा कांग्रेस ने राजस्थान से 5 हजार कार्यकर्ताओं को दिल्ली ले जाने का लक्ष्य रखा है।

मोडिया से बातचीत में उदयभानु चिब ने आरोप लगाया कि भाजपा वोट चोरी के जरिए सत्ता में बने रहने की कोशिश कर रही है। उन्होंने बेरोजगारी, पेपर लीक और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के संदर्भ में चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल किए। उन्होंने प्रदर्शनकारी युवाओं पर लाठीचार्ज और बल प्रयोग किए जाने का आरोप भी लगाया। मानाहनि मामले में राहुल गांधी को बरी किए जाने पर चिब ने इसे सत्य की जीत बताया।

फर्जी नंबर प्लेट और आर.सी. के साथ क्रेटा चालक गिरफ्तार

जयपुर । नाहरगढ़ पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट और फर्जी पंजीयन प्रमाणपत्र (आरसी) लगाकर क्रेटा चालाने के मामले में प्रकाश उर्फ मौनू (36) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने संदिग्ध कार, फर्जी नंबर प्लेट और आरसी बरामद की है। मामले में वाहन बेचने से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि आरोपित के खिलाफ पूर्व में ब्रह्मपुरी थाने में वर्ष 2009 में

■ पुलिस ने संदिग्ध कार की जांच में खोला फर्जीवाड़ा, गाड़ी के चेचिस नंबर से भी की गई थी छेड़छाड़

और महिला थाना दौसा में वर्ष 2020 में भी मामले दर्ज हुए थे। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने कार जयसिंहपुरा खोर स्थित माहिर मोटरस के प्रोपराइटर आशु, उसके भाई जीशान और उनके साझेदार अजहर से खरीदी थी। पुलिस इन लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। थानाधिकारी भंवर सिंह राठौड़ ने बताया कि 23 अक्टूबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि चांदपोल बाजार स्थित उनियारों के रास्ते पर काले रंग की क्रेटा कार, जिस पर एचआर-12-एडब्ल्यू-6054 नंबर प्लेट लगी थी, पिछले 10 से 15 दिनों से लावारिस खड़ी है। इस सूचना पर पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस ने नंबर प्लेट के आधार पर वाहन मालिक का पता



लगाया तो रोहतक निवासी विशाल ने बताया कि इस नंबर की उनकी कार रोहतक स्थित घर पर खड़ी है। इससे जयपुर में खड़ी कार संदिग्ध प्रतीत हुई और पुलिस उसे थाने ले आई। इसके बाद कार का उपयोग करने वाला प्रकाश उर्फ मौनू थाने पहुंचा और आरसी पेश की। जांच में आरसी पर दर्ज इंजन और चेचिस नंबर कार से मेल नहीं खाए। पुलिस के अनुसार चालक की सीट के नीचे अंकित वास्तविक चेचिस नंबर हटाकर उनकी जगह फर्जी नंबर अंकित किए गए थे।

प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी बर्दाश्त नहीं : बोहरा

जयपुर । भाजपा के पूर्व सांसद रामचरण बोहरा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदर्भ में की गई टिप्पणी की निंदा करते हुए खडगे और राहुल गांधी से देश से माफी मांगने की मांग की।

बोहरा ने कहा कि राजनीतिक विरोध करना कांग्रेस का अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर प्रधानमंत्री के परिवार को निशाना बनाना और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करना स्वीकार्य नहीं है। लोकतंत्र में वैचारिक संघर्ष होना चाहिए, व्यक्तिगत अपमान नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता विकास, जनहित और नीतियों पर चर्चा करने के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों के माध्यम से राजनीति कर रहे हैं। बोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना जीवन राष्ट्रसेवा और देश के विकास के लिए समर्पित किया है। राजनीतिक विरोध की आड़ में उनके परिवार के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल राजनीतिक संस्कारों के पतन को दर्शाता है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से सवाल किया कि राजनीतिक विरोध के दौरान भाषा की मर्यादा को बार-बार तार-तार करने का सिलसिला कब तक चलेगा।

होटल में चल रहा था जुए का खेल, आठ गिरफ्तार



जयपुर । सिंधी कैप थाना पुलिस ने कांतिनगर बनीपाक स्थित होटल जिनेंद्र पैलेस में जुआ खेलने के मामले में सात जुआरियों और होटल मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने होटल में दबिश देकर मौके से 69 हजार 780 रुपए की जुआ राशि, 156 ताश के पत्ते, हिसाब की डायरी, रजिस्टर, पेन और दो कैलकुलेटर बरामद किए हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि होटलों में संचालित अवैध गतिविधियों और वांछित अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। जिस पर सिंधी कैप थानाधिकारी वंदना नरूला के नेतृत्व में गठित टीम को सूचना मिली कि होटल जिनेन्द्र पैलेस के मैनेजर की मिलीभाम से कमरे में जुआ खेला जा रहा है। इस पर पुलिस ने तत्काल दबिश दी। पूछताछ में सामने आया कि होटल मैनेजर रोहित वर्मा जुआरियों को

प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी के विरोध में भाजपा ने खरगे का पुतला फूंका



भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जयपुर में कांग्रेसअध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का पुतला जलाकर विरोध जताया।

हुए कांग्रेस नेताओं पर राजनीतिक मर्यादाओं को अनदेखी करने का आरोप लगाया।

बागड़ी ने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है कि राजनीतिक संवाद की गरिमा बनाए रखें। उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. अपूर्वा सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को अपने

बयानों पर आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी, खरगे और पूरे कांग्रेस पार्टी से माफी मांगने की मांग की। प्रदर्शन में भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, मीडिया प्रभारी प्रमोद वंशिष्ठ, महिला मोर्चा अध्यक्ष राखी राठौड़, युवा मोर्चा अध्यक्ष शंकर गोरा और जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सार-समाचार

चौधरी कुंभाराम आर्य की किसान हितों की सोच अजर-अमर : सुचित्रा आर्य



जयपुर । स्वतंत्रता सेनानी एवं महान किसान नेता चौधरी कुंभाराम आर्य की 31 वीं पुण्यतिथि पर जयपुर स्थित किसान घाट पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उनकी पुत्रवधू एवं ओबीसी कांग्रेस महिला विंग की राष्ट्रीय संयोजक सुचित्रा आर्य ने कहा कि चौधरी कुंभाराम आर्य ने भू-सुधार, किसानों को भूमि का मालिकाना हक दिलाने, पंचायती राज व्यवस्था और सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने में अतुलनीय योगदान दिया। राजस्थान कासतकारी अधिनियम में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के किसानों की भूमि सुरक्षा के प्रावधान उनके सामाजिक न्याय के विचारों को दर्शाते हैं। सुचित्रा आर्य ने कहा, पीढ़ियां बदलेंगी, लेकिन जमीन के अधिकार से मिलने वाला स्वाभिमान और संबल अजर-अमर रहेगा। उन्होंने कहा कि किसानों, वंचितों और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए उनका योगदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। इस दौरान शंकर लाल शर्मा, रमेश पुनिया, अनुष्का आर्य, श्वेता बाना, आशीष टूंडलायत और रोशन शर्मा सहित अन्य लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

समर्थ सिंह सिद्धू की स्मृति में कला प्रदर्शनी



जयपुर । समर्थ फाउंडेशन राजस्थान की ओर से दिवंगत युवा कलाकार, चित्रकार एवं फोटोग्राफर समर्थ सिंह सिद्धू की स्मृति में 22 से 24 अक्टूबर तक जवाहर कला केंद्र की सुकृति आर्ट गैलरी में आयोजित तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी का समापन हुआ। प्रदर्शनी में समर्थ की स्ट्रीट फोटोग्राफी, पेंटिंग और अन्य कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। हैदराबाद के बॉटनिकल पार्क के वृक्षों पर केंद्रित ‘ट्री वॉक’ आकर्षण का केंद्र रहा। उद्घाटन पर्यावरणविद् डॉ. इकबाल मलिक और सामाजिक कार्यकर्ता कोमल श्रीवास्तव ने किया। सुप्रसिद्ध कवि एवं व्यंग्यकार संपत सरल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंतिम दिन नि:शुल्क पौधे वितरित किए गए और युवाओं को रेंड के प्रदान की गईं। केक काटकर समर्थ का जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम का समापन श्री किशन मीणा के संबोधन के साथ हुआ। फाउंडेशन का उद्देश्य समर्थ की कलात्मक विरासत को संरक्षित करना और कला व पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

आईडीएफसी बैंक के मुनाफे में बढ़ोतरी

मुंबई । आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए कर के बाद मुनाफे में सालाना आधार पर 196.5 प्रतिशत प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। बैंक का मुनाफा बढ़कर 1045 करोड़ रुपए हो गया। लगातार दूसरी तिमाही में मुनाफा 1000 करोड़ रुपए के पार रहा। गत 30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही में बैंक का मुख्य परिचालन लाभ, कारोबार से होने वाले लाभ को छोड़कर, 38.5 प्रतिशत बढ़कर 2,527 करोड़ रुपए रहा। पहली छमाही में बैंक का मुनाफा 2120 करोड़ रुपए और परिसंपत्तियों पर प्रतिफल 0.99 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह जानकारी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी. वैद्यनाथन ने दी है। उन्होंने कहा कि आय की तुलना में खर्चों की वृद्धि करीब 500 आधार अंक कम रही, जिससे लागत-आय अनुपात में सुधार हुआ। बैंक की कुल सकल राशि 25.9 प्रतिशत बढ़कर 3,48,583 करोड़ रुपए और कुल ऋण एवं अग्रिम 30.1 प्रतिशत बढ़कर 3,46,913 करोड़ रुपए हो गए। औसत चालू खाता-बचत खाता अनुपात 48.4 प्रतिशत रहा। बैंक ने तिमाही में 34,390 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंकन) जमा जुटाई। ये जमा मुख्य रूप से तीन से पांच वर्ष की अवधि के हैं। बैंक का सकल एनपीए 1.32 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए 0.40 प्रतिशत रहा, जबकि ऋण लागत घटक 1.01 प्रतिशत हो गई। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बैंक को पहली बार दीर्घकालिक ‘बीबीबी-माइन्स’ रेटिंग दी है।

‘एमवे करेगी 100 करोड़ रु. निवेश’

नई दिल्ली । स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती से जुड़े उत्पादों की जानकारी ग्राहकों तक सहज रूप से पहुंचाने के लिए एमवे इंडिया अगले 3 से 4 साल में देश के विभिन्न शहरों में नए स्टोर खोलेगी और मौजूदा स्टोरों को नया रूप देगी। यह विस्तार कंपनी की ओर से पिछले साल घोषित 100 करोड़ रुपए के निवेश का हिस्सा है। एमवे के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी माइकल नेल्सन ने गुरुग्राम में नए स्टोर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत कंपनी के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। नए स्टोर ग्राहकों को उत्पादों की जानकारी लेने और वितरकों से सीधे बातचीत करने का अवसर देंगे। एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चौपड़ा ने कहा कि स्टोर ग्राहकों और वितरकों के बीच संपर्क बढ़ाने के केंद्र हैं। फिलहाल देश में कंपनी के 85 से अधिक स्टोर हैं। हाल के महीनों में 14 से अधिक स्टोर खोले गए हैं या उनका नवीनीकरण किया गया है। इनमें पुणे, कोलकाता, सिलीगुड़ी, इम्फाल, भागलपुर, आनंद, अहमदाबाद, बॉगाईगांव, आगरा और नांदेड शामिल हैं।

पिंकसिटी की वैश्विक पहचान बचाने की कार्ययोजना पेश करने के लिए सरकार ने एक सप्ताह का समय मांगा

■ ज्ञात रहे कि राजस्थान हाईकोर्ट ने इस प्रकरण पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए कहा था कि, यदि दिसंबर-2026 से पहले पर्याप्त एवं प्रभावी सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो जयपुर चारदीवारी वाले शहर की “यूनेस्को विश्व विरासत स्थल” की मान्यता खोने का गंभीर जोखिम है।

■ अदालत ने जेडीए तथा जयपुर नगर निगम को राज्य सरकार के माध्यम से जयपुर चारदीवारी वाले शहर को नुकसान पहुंचाने वाले अनधिकृत एवं अनियमित निर्माणों का सर्वेक्षण करने तथा उसकी रिपोर्ट 2 सप्ताह के भीतर पेश करने का निर्देश दिया है।

जयपुर (कासं)। पिंकसिटी की वैश्विक पहचान व “यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज सिटी” का दर्जा बचाने के मुद्दे कार्य योजना पेश करने के लिए राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट से एक सप्ताह का समय मांगा है। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने महाविप्लवा को कहा कि वे एक सप्ताह बाद कार्य योजना पेश करें। अदालत ने यह आदेश मामले में लिए एवं स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने मामले में स्वप्रेरित लेते समय कहा था कि यदि दिसंबर, 2026 से पहले

पर्याप्त एवं प्रभावी सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो जयपुर के चारदीवारी वाले शहर के यूनेस्को विश्व विरासत स्थल के तौर पर अपनी मान्यता खोने का गंभीर जोखिम है। ऐसे में अदालत ने जेडीए तथा जयपुर के नगर निगमों को राज्य सरकार के संबंधित अधिकारियों के माध्यम से जयपुर के चारदीवारी वाले शहर को नुकसान पहुंचाने वाले अनधिकृत एवं अनियमित निर्माणों का सर्वेक्षण करने तथा उसकी रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा 4 सप्ताह में विस्तृत हलफनामा दाखिल कर

यह बताना होगा कि हैरिटेज नियमों का पालन कैसे हो रहा है। निर्माण अनुमतियों से पहले हैरिटेज इम्पैक्ट असेसमेंट हुआ या नहीं और पिछले 5 वर्षों में अवैध निर्माण के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई? अदालत ने अधिकारियों से तत्काल और दीर्घकालीन चरणबद्ध एक्शन प्लान भी मांगते हुए सोशल ऑडिट जैसी व्यवस्था पर भी विचार भी करने के लिए कहा था। अदालत ने इस मामले में सहयोग करने के लिए अधिकस्ता सदीप पाठक, कुवराज सामंत, मधुसूदन सिंह राजपुरोहित व अनिरुद्ध माथुर को न्यायमित्र नियुक्त किया था।

#SCULPTURE

A Piece Of Excellence

The layered craftsmanship reveals a deep understanding of mythology and sacred symbolism preserved through generations



This magnificent stone carving of Lord Ganesha reflects the extraordinary devotion and artistic brilliance of ancient temple sculptors. Every intricate ornament, delicate curve, and symbolic detail is carved with remarkable precision, bringing divine presence to life through stone. Surrounded by finely sculpted attendants and decorative motifs, the sculpture embodies wisdom, protection, and the remover of obstacles as celebrated in spiritual tradition. The layered craftsmanship reveals a deep understanding of mythology and sacred symbolism preserved through generations. Even centuries later, this timeless masterpiece continues to inspire reverence, standing as a powerful reminder of faith expressed through enduring art and cultural heritage.

#HUMANS

A New Species Of Humans

Evidence suggests that Homo juluensis were sophisticated hunter-gatherers who thrived in groups, hunting wild horses and crafting advanced stone tools

Scientists have officially discovered a new species of human. Scientists have officially identified Homo juluensis, a massive, skulled human species that lived in China 200,000 years ago, redefining our evolutionary lineage. In a discovery that reshapes our understanding of human history, researchers have identified a new species of ancient human in China: Homo juluensis. Living roughly 200,000 years ago, these individuals were notable for their massive physical presence and brains that reached 1,700 cubic centimeters, making their heads significantly larger than those of modern humans today. The identification of this 'big-headed' relative provides a vital piece to the evolutionary puzzle, filling a long-standing gap in the fossil record and proving that the path to modern humanity was far more complex than once believed. Evidence suggests that Homo juluensis were sophisticated hunter-gatherers who thrived in groups, hunting wild horses and crafting advanced stone tools to survive in challenging environments. Led by paleoanthropologists Christopher Bae and Xuejie Wu, the research suggests that this new species may even include the mysterious Denisovans, a group previously known almost entirely from fragmented DNA. By establishing Homo juluensis as a distinct branch of our family tree, scientists are revealing a prehistoric Asia that was a vibrant crossroads of diverse human lineages coexisting long before modern humans emerged as the sole survivors.



The Queen Who Held the Pass to Bharat



The campaign of Muhammad Ghori ended with the defeat of his army in 1178. The invading force was driven back, and the expedition to Rajasthan-Gujarat failed. Later historical records remember the hardships of this campaign, and the traditions surrounding Naika Devi's reign remember her contribution to the survival of her kingdom.



Purushendra Singh

As Diwali lamps are lit in Rajasthan, the tales of Vijayadashami always feature a victory of good over evil, or even courage over adversity. However, not all of the history of this land is about the epics or famous Maharajas. The lands of our state have a peculiar story of a woman who defended the kingdom from an invading army, and he never dared again to cross her path. Her name was Naika Devi or some spell it as 'Naiki' or 'Navika.' Almost nine centuries ago, in 1178, she drew up for battle, which would have eternal consequences for the ambitions of Muhammad of Ghor, also known as Muhammad Ghori. And no, this battle wasn't the infamous one of Tarain, fought under the banners of Prithviraj Chauhan III or 'Rai Pithora.' It took place much further south, in the region of Mount Abu, Sirohi.

Naika's story begins in modern-day Gujarat, in the kingdom of Chaulukya, whose capital was the city of Anahilavada (modern Patan). After the death of her husband, King Ajayapala, the throne was inherited by his toddler son,



Naika Devi.

Mularaja II. The mother of the young king, who was in the laps of Naika Devi when she fought the historic battle of Kayadara, acted as a regent similar to how Bairam Khan did for Akbar. Moreover, she volunteered to protect the kingdom from external enemies and hold the nobility together.

Having established himself in the northwestern sub-continent, the Ghurid ruler turned his eyes to the rich kingdom of Chaulukya. The army of the Ghurid ruler crossed the Multan and Uch territories, present-day Pakistan and Afghanistan or AfPak, as some geopolitical analysts would call it, headed towards the present day Rajasthan-Gujarat border, as it seemed a natural pathway further ahead of Multan.

For Naiki Devi, an approaching and much stronger enemy army was a problem that could not be resolved just by courage but with a mixed strategy of diplomacy, statecraft, alliances and then, of course, courage. A foreign invasion had to be stopped, but many details and a plan had to be drawn. First of all, it was necessary to raise a sufficient army for the confrontation with the invading force. The solution to this complex task was hidden in the peculiarities of the local political situation.

Medieval Rajasthan was not a single empire with a capital. It was a set of different kingdoms, each with its own interests. The Chauhans of Nadol, the Chahamanas of Jalore, and the Parmars of the region of Arbuda or Chandravati, in today's time, Abu, were the most influential local rulers of the region. Their interests overlapped in the territory connecting southern Rajasthan and northern Gujarat. Though they were loosely connected, each of these rulers had their own interests and methods of ruling the land.

Collective alliance against common enemy

Naika Devi knew that to defeat a much more powerful army, she had to bring other armies together. For this, her challenge was to reach out, convince and bring the other kingdoms' military resources and regional relationships together. Denying the conventional role of a King and being a woman in the 12th

#THE TURNING POINT



century, she brought together the rulers of Nadol, Jalore and Abu, who were crucial to this effort. Kelhana of Nadol, his brother Kirtipala of Jalore, and Dharavarsha, the Parmara ruler of Abu, appear in accounts of the resistance to the Ghurid advance alongside Naika Devi. They represented neighbouring centres of power whose participation could help transform a vulnerable kingdom's defence into a coordinated regional response.

And it was their collective alliance that determined the outcome of the long-drawn battle. When we speak of Naika Devi, we don't only speak of the bravery of a queen. The preservation of a kingdom was a complex political task, which included the need to unify various local rulers around a common cause. The interest of each of them may have been different, but

their combined strength became the reason for the failure of the invading army.

Whilst the armies of the Ghurid dynasty were busy with the long campaign, the terrain provided the defenders with several tactical advantages as well. This battle of Kayadara is traditionally associated with the territory of Kasahrada (or Kayadara or Gadararaghatta) near the foothills of Mount Abu (modern-day Sirohi). It was a region of hills, passes and narrow corridors, which was quite different from the open plains. Though the details of the battle aren't very clear, the location in which it took place is strategic. An invading army would have few opportunities when it had to fight in a region that wasn't suited for large-scale cavalry battles, and soldiers had to form a queue to cross the hills. Naika Devi strategically chose this region for this particular reason,

and she was a ruler who knew the value of the terrain and how not to have fought the enemy on his terms, but on her terms and place of choosing.

The approach to the mountains of Abu gave strategic advantage for the defenders to sight the enemy in a queue formation rather than giving them the option to spread and hide. This stopped the invading force from drawing deep and manoeuvring around the hills.

Naika knew that the invading force would have travelled a long way to reach her and to make them go up and down the hills would further exhaust them. And it happened: the Ghurid army had to cover a significant distance, and the march itself was exhausting. The defending troops, who fought on their native territory and were full of energy and patriotic gusto, along with access to their military



resources in close proximity, had an undeniable advantage. Thus, it was the terrain, tactics, mutual alliances and the spearhead thinking of the regent queen that determined the outcome of this battle, which proved decisive in terms of Ghori not daring to cross his swords again with the Great Naika.

Return of the Ghurid Forces

The campaign of Muhammad Ghori ended with the defeat of his army in 1178. The invading force was driven back, and the expedition to Rajasthan-Gujarat failed. Later historical records remember the hardships of this campaign, and the traditions surrounding Naika Devi's reign remember her contribution to the survival of her kingdom.

One of the stories associated with the queen tells of her battle with the enemy army alongside her young son. A living symbol of the vulnerability of the kingdom, the mastery over statecraft of the queen saved the day. Furthermore, the legacy of Naika Devi and the defence of the kingdom against the Ghurid dynasty is remembered and honoured. Glad to note that her story has been officially introduced in the NCERT textbooks after the course structure revamping was undertaken after the rollout of the New Education Policy (NEP), 2020.

With this, and for a brief period, the personal campaign of Muhammad of Ghor was halted, and the invading force wasn't able to make its way through Western Rajasthan again. Later historical records show that the Ghurid ruler changed the direction of his campaign, and the two Battles of Tarain were fought. There were further attempts at invading the Chaulukyan kingdom, but they all failed. Thus, it is with pride that we remember Naika Devi, the queen who held the pass and stood guard at the gateway to Bharat.

Fast forward to fourteen years later, in 1192, Muhammad Ghori defeated Prithviraj Chauhan at the Second Battle of Tarain. The memory of the battle has entered the folklore of India, and the popular stories remember it with clear remembrance. The story of the Battle of Kayadara, however, isn't as famous, even though it should be, as it provides a vivid example of resistance and victory against the odds.

Perhaps because the battle at Tarain is remembered as a turning point in the medieval history of India, marking the advent of Islamic rule in India. The defeat of Prithviraj Chauhan marked the end of his rule and the beginning of a new era. The victory at Kayadara didn't produce such dramatic results. It preserved the status quo, leaving the kingdoms of Rajasthan and Gujarat intact. Perhaps, for this reason, the story of Naika Devi and her contribution to the defence of the kingdom isn't so well-known.

There is, however, another reason to remember the local rulers and their role in the long-drawn battle. The general perception of medieval diplomacy focuses mainly on the long-drawn negotiations between different emissaries of the great kingdoms. But the experience of medieval Rajasthan shows that it was the local interactions between the different rulers that formed the basis of the political history of the region. As the Diwali lamps are lit in Rajasthan, the story of Naika Devi reminds us that history is a complex process and not to be forgotten. The courage of a queen wasn't enough for her to repel the siege. The terrain, tactics, collective alliance, strategy and the local political situation played a significant role in the outcome of the battle. Let us not forget, our region's history is replete with such examples, each a reminder of a past we can take pride in.

|| || ||
rajeshsharma1049@gmail.com



Muhammad Ghori.

#LIFE

A SECOND LIFE FOR PLASTIC FORKS?

"In reality, it creates a lot of pollution. When we do start producing PLA on the million-ton scale, we will know how to deal with it."



A method to convert a commonly thrown-away plastic into a resin used in 3D-printing could allow for making better use of plastic waste.

Researchers developed a simple and efficient way to convert polylactic acid (PLA), a bio-based plastic used in products such as filament, plastic silverware, and food packaging, to a high-quality resin. "We found a way to immediately turn this into something that's stronger and better, and we hope that will provide people the incentive to upcycle this stuff instead of just toss it away," says Yu-Chung Chang, a postdoctoral researcher in the Washington State University School of Mechanical and Materials Engineering and a co-corresponding author of the study, published in Green Chemistry. "We made stronger materials just straight out of trash. We believe this could be a great opportunity."

About 300,000 tons of PLA are produced annually, and its use is increasing dramatically. Although it's bio-based, PLA, which is categorized as a number seven plastic, doesn't break down easily. It can float



in fresh or salt water for a year without degrading. It is also rarely recycled because like many plastics, when it's melted down and re-formed, it doesn't perform as well as the original version and becomes less valuable.

"It's biodegradable and compostable, but once you look into

it, it turns out that it can take up to 100 years for it to decompose in a landfill," Chang says.

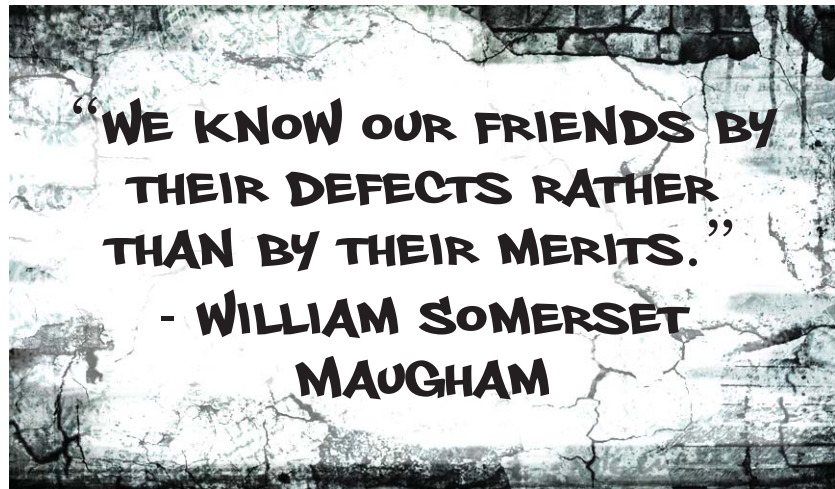
"In reality, it still creates a lot of pollution. We want to make sure that when we do start producing PLA on the million-ton scale, we will know how to deal with it." In the study, lead author Jinwen Zhang, professor in the School of Mechanical and Materials Engineering, and colleagues developed a fast and catalyst-free method to recycle the PLA, breaking the long chain of molecules down into simple monomers, the building blocks for many plastics. The entire chemical process can be done at mild temperatures in about two days. The chemical they used to break down the PLA, aminethanol, is also inexpensive. "If you want to rebuild a Lego castle into a car, you have to break it down brick by brick," Chang says. "That's what we did. The aminethanol precision cut the PLA back to a monomer, and once it's back to a monomer, the sky's the limit because you can re-polymerize it into something stronger."

Once the PLA was broken down to its basic building blocks, the researchers rebuilt the plastic and created a type of photo-curable liquid resin that is commonly used as printing "ink" for 3D printers. When it was used in a 3D printer and cured into plastic pieces, the product showed equal or better mechanical and thermal properties than commercially available resins.

While the researchers focused on PLA for the study, they hope to apply the work to polyethylene terephthalate (PET), which is more common than PLA, has a similar chemical structure, and presents a bigger waste problem.

The researchers have filed a provisional patent and are working to further optimize the process. They are also looking into other applications for the upcycling method.

THE WALL



BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

चौमूं क्षेत्र में ज्वैलर्स की दुकान और निर्माणाधीन कोल्ड स्टोर में आग लगने से लाखों का नुकसान

ज्वैलर्स की दुकान में रखे सोने-चांदी के आभूषणों और अन्य सामान के हुए नुकसान का पता नहीं लगा

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं के होली दरवाजे के मुख्य बाजार में चौपड़ के पास वीर हनुमान ज्वैलर्स शॉप में सोमवार दोपहर अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की सूचना फैलते ही आसपास के व्यापारियों और स्थानीय लोगों में अफरा–तफरी का माहौल हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की दो गाड़ियां पहुंचीं और दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।



चौमूं में ज्वैलर्स शॉप में अज्ञात कारणों से आग लग गई।

है। दुकान में रखे सोने–चांदी के आभूषणों और अन्य सामान के हुए नुकसान का आकलन भी सामने नहीं आया है। अग्निशमन विभाग के अधिकारी जयकुमार जांगिड़ ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की

गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

निर्माणाधीन कोल्ड स्टोर में आग लगने से अफरा–तफरी मची : वहीं चौमूं उपखण्ड के चौथवाड़ी



चीथवाड़ी इलाके में कोल्ड स्टोर में आग की लपटें दिखाई दीं।

इलाके की बाड़ा की ढाणी में सोमवार शाम एक निर्माणाधीन कोल्ड स्टोर में अचानक आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग की लपटें उठती देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। अग्निशमन अधिकरियों को सूचना

मिलते ही घटनास्थल पर दमकल की तीन गाड़ियां भेजी गईं। वहीं सामोद थाना पुलिस का जाब्ता भी घटनास्थल पर पहुंचा। कोल्ड स्टोर के अंदर एक स्विफ्ट कार खड़ी थी। इसके अलावा वहां कुछ गैस सिलेंडर भी रखे होने की बात सामने आई है। ऐसे में आग बुझाने के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरती गई। कोल्ड स्टोर में सब्जी पैकिंग का काम किया जाता है।

विराटनगर में कपड़े की दुकान में भीषण आग से लाखों का नुकसान हुआ

पावटा, (निसं)। विराटनगर कस्बे के व्यस्त बाजार में रविवार शाम भीषण आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। महावीर मार्केट के सामने स्थित महारानी पोशाक की दुकान देखते ही देखते आग की लपटों में फिर गई। आग इतनी विकराल थी कि दुकान में रखे कपड़े, पोशाकें और अन्य सामान जलकर राख हो गए। हादसे में महासिंहकाबास निवासी व्यापारी देवराज सिंह को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

घटना के बाद व्यापारियों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने धरना–प्रदर्शन कर पीड़ित व्यापारी को मुआवजा देने की मांग उठाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सोमवार

सुबह विधायक कुलदीप धनखड़ मौके पर पहुंचे और पीड़ित व्यापारी को 2 लाख 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम महारानी पोशाक की दुकान से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। दुकान में कपड़े और पोशाकों का सामान भरा होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया।

आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के चलते उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। सूचना मिलने पर विराटनगर थाना पुलिस और नगरपालिका प्रशासन सक्रिय हुआ। मौके पर पहुंची विराटनगर नगरपालिका की दोनों दमकलों ने करीब एक घंटे तक कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक दुकान में रखा सामान पूरी तरह जल चुका था। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग के वास्तविक कारण और नुकसान का आधिकारिक आकलन होना बाकी है। घटना के विरोध में सोमवार सुबह व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर रोष जताया। जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर तथा छौतीली के पूर्व सरपंच शीशराम दायमा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित व्यापारी से मुलाकात कर संवेदना जताई और उसे आर्थिक सहायता दिलाने की मांग उठाई।

कोटा में टेंट हाऊस गोदाम में आग लगी, लाखों का सामान जला

आग की चपेट में आने से गोदाम में रखा शादी-समारोह का लाखों का सामान जल गया

कोटा, (निसं)। रायपुरा इलाके में स्थित एक टेंट हाऊस के गोदाम में सोमवार सुबह अचानक से भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुआं दूर–दूर तक दिखा दिया, आग की लपटें व धुंआ देखकर आस–पास के लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने आग लगने की सूचना पुलिस व अग्निश्मन विभाग को दी।

जानकारी के अनुसार आग की सूचना पाकर पुलिस टीम व अग्निश्मन विभाग की दमकले मौके

पर पहुंची, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया जब तक आग की चपेट में आने से गोदाम में रखा शादी–समारोह का लाखों का सामान जल गया।

नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि रायपुरा इलाके में एक टेंट हाऊस के गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी, सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ी को रवाना कर दिया गया, आग काफी भीषण थी, ऐसे में

तत्काल अन्य दमकलों को भी भेजा गया। टेंट हाऊस के गोदाम में कपड़ा, गद्दे, पर्दे, कुसीयों और लकड़ी का सामान था, जिससे आग ने तेजी से पूरे टेंट गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि दो दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट से लगना सामने आ रहा है, आग से गोदाम मालिक को लाखों का नुकसान हुआ है।

ऑटो पाटर्स की दुकान में सैंधमारी का खुलासा , दो गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में 12 अक्टूबर को ऑटो पार्ट्स की दुकान में सैंधमारी कर लाखों के जेवरत और नगदी चोरी प्रकरण का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो शातिर नकबजनों को पकड़ा है।

जानकारी के अनुसार जोधपुर शहर में ऑटो पाटर्स की दुकान से 14 तोला सोना और रुपए चुराने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी दुकानदार का रिश्तेदार है। मामला राजीव गांधी नगर थाने का है। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि प्रकरण में दो आरोपियों चंदाला बेरा, नयापुरा चौखा निवासी गोविंद नायक और हनुमान सागर को गिरफ्तार किया

■ ऑटो पाटर्स की दुकान से 14 तोला सोना और रुपए चुराने का मामला

गया है। आरोपियों से माल बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

मामले के अनुसार राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि रामनगर नयापुरा चौखा निवासी अमित गहलोत की तितुवाड़िया चौराहा पर गहलोत ऑटो पार्ट्स के नाम से दुकान है। अमित 12 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे दुकान बंद कर घर चला गया था। अगले दिन 13 अक्टूबर की सुबह करीब 9.15 बजे

दुकान खोलने पहुंचा तो अंदर सामान बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर दुकान में रखे मजदूरी के 20 हजार रुपये नकद और सोने के आभूषण गायब मिले। चोरी हुए आभूषणों में बोर, चौकर, कान के झुमके और नाक की फिंगी शामिल थे। परिव्रादी के अनुसार निर्माणाधीन मकान और पत्नी के पीहर जाने के कारण उसने आभूषण दुकान में रखे थे। गौरतलब है कि पुलिस ने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र में सरस के केबिन से सामान चोरी करने वाली गैंग को पकड़ा था। पूछताछ में आरोपियों ने ऑटो पाटर्स की दुकान में भी चोरी करने की बात को कबूला। चोरी करने वाला आरोपी दिनेश पीड़ित का रिश्तेदार ही है।

बैंक के डिप्टी ब्रांच मैनेजर से ठगी

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में नौकरी का ऑफर देने के बहाने साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने कोटक महिंद्रा बैंक में कार्यरत डिप्टी ब्रांच मैनेजर राहुल अग्रवाल के क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 25 हजार रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित की रिपोर्ट पर कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, राहुल अग्रवाल को नौकरी से संबंधित ऑफर का मैसेज मिला था। उन्होंने ऑफर की जानकारी लेने के लिए मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक किया। आरोप है कि इसके बाद उनके क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 25 हजार रुपये कट गए। पीड़ित को रविवार शाम को अपने साथ हुई ठगी का पता चला।

कसारवाड़ी सौर आधारित सूक्ष्म सिंचाई परियोजना से बांसवाड़ा जिले को मिलेगी सिंचाई सुविधा

बांसवाड़ा। जिले में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और किसानों को कृषि कार्यों से संचालित करने में सहायता मिलेगी। सिंचाई सुविधा के विस्तार से क्षेत्र में कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ किसानों की उत्पादकता में सुधार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। बांसवाड़ा जिले में कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। ऐसे में सिंचाई परियोजनाओं का विकास किसानों के लिए महत्वपूर्ण है। कसारवाड़ी सौर सिंचाई परियोजना के माध्यम से 525 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा विकसित होने से किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए जल उपलब्धता का लाभ मिल सकेगा।

परियोजना के माध्यम से निर्धारित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा विकसित होने से संबंधित क्षेत्र के कृषि विकास को गति मिल सकेगी। जिले के कुशलगढ़

इससे वर्षा पर निर्भरता कम होने और कृषि कार्यों को अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित करने में सहायता मिलेगी। सिंचाई सुविधा का कार्य किया जा रहा है। परियोजना के तहत 67.10 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाकर फव्वारा पद्धति से पानी खेतों तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए इंटेक का निर्माण कर 500 एचपी के मोटर पंप लगाए गए हैं। इनके माध्यम से लगभग 130 मीटर हेड तक पानी लिफ्ट कर 525 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना के तहत अनास नदी पर 4 मीटर ऊंचाई एवं 310 मीटर लंबाई का सौर कसारवाड़ी एनीकट बनाया गया है,

जिसमें 56.39 एमसीएफटी जल संग्रहित होगा। एनीकट में संग्रहित जल का उपयोग पशुओं के पेयजल के साथ–साथ फू–जल स्तर में वृद्धि के लिए भी किया जा सकेगा। इससे कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कसारवाड़ी, काचला, कोई दोबन एवं मुनियाखुटा सहित कुल 4 गांवों के लगभग 2850 किसान लाभान्वित होंगे। परियोजना से 525 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलने से आदिवासी बहुल क्षेत्र के किसानों को लाभ मिलेगा। परियोजना के अंतर्गत बिजली की खपत कम करने के उद्देश्य से 700 किलोवाट का सोलर प्लांट भी स्थापित किया गया है,

जिसमें 56.39 एमसीएफटी जल संग्रहित होगा। एनीकट में संग्रहित जल का उपयोग पशुओं के पेयजल के साथ–साथ फू–जल स्तर में वृद्धि के लिए भी किया जा सकेगा। इससे कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कसारवाड़ी, काचला, कोई दोबन एवं मुनियाखुटा सहित कुल 4 गांवों के लगभग 2850 किसान लाभान्वित होंगे। परियोजना से 525 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलने से आदिवासी बहुल क्षेत्र के किसानों को लाभ मिलेगा। परियोजना के अंतर्गत बिजली की खपत कम करने के उद्देश्य से 700 किलोवाट का सोलर प्लांट भी स्थापित किया गया है,

दो मासूम भतीजों की हत्या चाचा ने की थी

धौलपुर/बाड़ी, (निसं)। उपखण्ड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के पुरा सिकरौदा गांव में 21 अक्टूबर को हुए तिहरे हत्याकांड का कंचनपुर पुलिस और सैपक सीओ द्वारा की गई जांच के बाद खुलासा कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार दो मासूम भतीजे की हत्या उनके ही चाचा द्वारा की गई थी और बाद में खुद फांसी के फंदे पर झूल गया था। घटना को लेकर मेडिकल रिपोर्ट और अन्य इनपुट के आधार पर पूरे मामले के पीछे पारिवारिक विवाद

कारण बना है।

धौलपुर एसपी विकास सागवान ने बताया कि 21 अक्टूबर को कंचनपुर थाना क्षेत्र के पुरा सिकरौदा गांव में दो बच्चों सहित एक 25 वर्षीय युवक का शव खेत के पास मिला था। घटना को लेकर पीड़ित परिवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना का पांच दिन में खुलासा कर दिया है। विष्णु कुशवाहा पुत्र सितौली कुशवाहा ही दोनों मासूम बच्चे सनी और मानस का हत्थारा था। इसकी वजह

पारिवारिक विवाद और विष्णु की भाभी और भाई से लगातार चल रही अनबन कारण बनी है। एसपी विकास सागवान के अनुसार 20 अक्टूबर को सुबह नौ बजे विष्णु बाइक से अपनी बहन हो बसेड़ी के आक पुरा रहती है। उसके पास से मिलने गया था। उसके साथ में उसकी मां और दोनों मासूम बच्चे भी साथ थे। मां तो अपनी बेटी के पास वही रुक गईं। बाद में दोनों मासूम बच्चों को लेकर विष्णु अपने गांव चला आया और दिनभर उन्हें इधर–उधर घुमाता रहा।

शाम को कुछ नाश्ता और शराब की बोतल लेकर वह गांव के खेतों पर पहुंचा,जहां दोनों बच्चों को उसने नाश्ता कराया और खुद शराब का सेवन किया। बाद में शराब के नशे में विष्णु ने 8 वर्षीय सनी और 6 वर्षीय मानस पुत्र संतोष से मिली सूचना के आधार पर आरोपी और बाद में कुछ दूरी पर जाकर खुद ने एक प्लास्टिक की रस्सी से अपने आप हरे पौधे जत्त किए हैं, जिनका कुल को पेड़ पर लटका लिया और सुसाइड कर ली। जिसमें परिवारजनों ने मामला दर्ज कराया था।

गांजे की खेती पकड़ी

टोंक, (निसं)। जिले के घाड थाना क्षेत्र के धुंवाकला में गांजे की खेती का मामला सामने आने के बाद जिला स्पेशल टीम व थाना घाड पुलिस टीम सनी और 6 वर्षीय मानस पुत्र संतोष से मिली सूचना के आधार पर आरोपी को टिकाने पर दबिश देकर गांजे के 45 एकड़ प्लास्टिक की रस्सी से अपने आप हरे पौधे जत्त किए हैं, जिनका कुल को पेड़ पर लटका लिया और सुसाइड कर ली। जिसमें परिवारजनों ने मामला दर्ज कराया था।

26वें दिन भी जारी रहा पेंशनर्स का प्रदर्शन

जयपुर। पेंशनर्स सोसाइटी के तत्वावधान में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स का छब्बीसवें दिन भी प्रदर्शन जारी रहा। प्रदर्शन अपने नियत स्थान अर्थात कुलापति कार्यालय के सामने पोर्च में ही किया गया। प्रदर्शन का प्रारम्भ संयोजक अशोक व्यास के द्वारा प्रार्थना के साथ प्रारम्भ हुआ। तत्पश्चात प्रोफेसर हुकम सिंह गहलोत, प्रोफेसर कश्यप धूत, प्रोफेसर सुखबीर

सिंह बैस, प्रोफेसर कैलाश कौशल, बरकत उल्ला खान आदि ने अपने संबोधन में कुलगुरु के पुलिस द्वारा प्रदर्शन में व्यवधान डालने के प्रयासों की निंदा की। सभी ने विश्वविद्यालय प्रशासन की असफलता के कारण पेंशनर्स को हुई असुविधा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अधिकांश पेंशनर्स को उपस्थित सभी पेंशनर्स ने कुलगुरु के सामना करना पड़ रहा है उनके समक्ष न

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने का फरार आरोपी गिरफ्त में

जोधपुर, (कासं)। बुजुर्गों को मदद करने के बहाने उनके एटीएम कार्ड बदलकर खातों से रुपए निकालने वाले शातिर गिरोह के एक बांछित आरोपी को चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी गोपाल जाट करीब तीन साल से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ हत्या, लूट और नकबजनी सहित करीब 10 गंभीर अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इस मामले में पुलिस पूर्व में एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस के अनुसार 5 दिसंबर 2023 को सुगन बिहार निवासी 78 वर्षीय खुबचंद खत्री ने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। परिव्रादी ने बताया कि 4 दिसंबर 2023 को वह अशोक उद्यान के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा के एटीएम पर पिन नंबर बनाने और रुपए निकालने गया था। पिन बनाने के बाद जब उसने रुपए निकालने के लिए कार्ड मशीन में डाला तो रुपए नहीं निकले।

■ आरोपी गोपाल जाट करीब तीन साल से फरार चल रहा था, आरोपी के खिलाफ 10 अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं

मशीन के काम नहीं करने का संदेश देखकर वह परेशान हो गया। इसी दौरान पास खड़े एक अज्ञात व्यक्ति ने मदद करने के बहाने उसका एटीएम कार्ड निकालकर दूसरा कार्ड थमा दिया। परिव्रादी को कार्ड बदले जाने का पता नहीं चला। बाद में बैंक से फोन आया कि उसके खाते से रुपए निकाले गए हैं। जांच करने पर खाते से 10–10 हजार रुपए के चार लेनदेन और 70 हजार रुपए का एक अन्य लेनदेन सामने आया। इस तथ्य पर पिन नंबर बनाने और रुपए निकासी हुई। परिव्रादी ने तत्काल बैंक पहुंचकर अपना खाता बंद करवाया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मामले में पुलिस ने थोखाघड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थानाधिकारी गोविंद व्यास के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सूचना संकलन और तकनीकी सहायता के आधार पर आरोपी मुंदड़ा, थाना सुजानगढ़ सदर, जिला चूरू निवासी गोपाल पुत्र शेरराम जाट को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी अलग–अलग बैंकों के बंद एटीएम कार्ड अपने पास रखते थे। वे घरेलू काम का बहाना बनाकर कार क्रियाये पर लेते और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर घूमते थे। एटीएम केंद्रों पर बुजुर्ग पुरुषों और महिलाओं को निशाना बनाते थे। मदद करने के बहाने उनका पिन नंबर देख लेते और चलाकी से असली कार्ड बदलकर दूसरा कार्ड थमा देते थे। इसके बाद खातों से रुपए निकालकर ठगी की वारदात को अंजाम देते थे।

कोटा में एक छात्र ने आत्महत्या की, दूसरे की संदिग्ध मौत

कोटा, (निसं)। शहर में एक स्टूडेंट के सुसाइड का मामला रविवार देर रात सामने आया है, जबकि एक अन्य छात्र की संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने की बात सामने आई है। मामले में सामने आया है कि आत्महत्या करने वाला छात्र पीजी में रहकर जेईई की तैयारी कर रहा था।

जवाहर नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि घटनाक्रम रविवार देर रात को हुआ है। छात्र मूल रूप से मध्यप्रदेश के शिवपुरी निवासी था और कोटा में इस साल आकर ही जेईई की तैयारी कर रहा था। मृतक छात्र की उम्र करीब 16 साल है, वह 11 वीं के साथ ही जेईई की तैयारी कर रहा था। मामले में आया कि घटना के दिन वह परिजनों का फोन नहीं उठा रहा था, परिजनों ने उसके साथ रहने वाले अन्य स्टूडेंट्स को कॉल किया। इस पर दूसरे स्टूडेंट्स ने जाकर छात्र का दरवाजा खटखटाया लेकिन उसने नहीं खोला। शक होने पर उन्होंने पीजी मालिक और अन्य को भी बताया। इस संबंध में सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को मिली थी जिसके बाद जवाहर नगर थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची, दरवाजे को खोला गया। छात्र ने फंदे से लटककर आत्महत्या की थी। पीजी के कमरे में कोई हैंगिंग डिवाइस भी नहीं मिला। तत्काल छात्र को अस्पताल ले जाया गया, जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उसके शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट कर दिया। फिलहाल कमरे को सीज कर दिया है। किसी तरह का कोई लेटर या अन्य जानकारी नहीं मिल पाई है। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक छात्र के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पायेगा, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एक छात्र की संदिग्ध मौत:

भारत-पाक बॉर्डर से करोड़ों की हेरोइन बरामद

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे श्रीकरणपुर में संयुक्त टीम ने एक किलो हेरोइन बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब पांच करोड़ रुपए है। हेरोइन के दो पैकेट खेत में मिले। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इन्हें ड्रोन के जरिए पाकिस्तान की तरफ से भारत में गिराया गया था।

एसपी हरीशंकर ने बताया कि

श्रीकरणपुर थाना पुलिस,118वीं बटालियन और जोन श्रीकरणपुर की टीम ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया। कार्रवाई के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब दो किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में स्थित खेत से दो पैकेट बरामद किए गए। इनमें कुल एक किलो हेरोइन मिली। पुलिस ने बरामद हेरोइन को जब्त कर मामला दर्ज किया है।



पंचायती राज चुनाव में कमल खिलाना है



परियोजनाएं, जो बना रही हैं
**राजस्थान को
जल समृद्ध**



₹91,000 करोड़ की लागत वाली संशोधित
पार्वती कालीसिंध चम्बल लिंक परियोजना से पूर्वी
राजस्थान के 17 जिलों में पेयजल, लगभग 4.98 लाख
हेक्टेयर में सिंचाई एवं औद्योगिक जल का पुराना प्रबंध
₹23,312.20 करोड़
के 7 पेयजल कार्य प्रगतिरत

दो दशक बाद पांचना बांध की
नहरों में जल प्रवाहित
करवा कर सामाजिक सौहार्द की स्थापना और किसानों को
कृषि जल एवं पेयजल उपलब्ध
भरतपुर फीडर नहरी तंत्र का विस्तार कर
9,500 है. में अतिरिक्त सिंचाई साथ ही
ओखला से प्राप्त जल हेतु गुड़गांव कैनाल व उत्तरप्रदेश
से जल प्राप्त करने हेतु भरतपुर फीडर का जीर्णोद्धार

ऐतिहासिक यमुना जल समझौते
से शेखावाटी को वर्षों बाद जल उपलब्ध कराने के लिए
₹34,000 करोड़ की योजना एवं
इस परियोजना के तहत राशि
₹1622 करोड़
से धनौती कृत्रिम जलाशय का निर्माण

₹2,500 करोड़
की लागत से बनाई जा रही अपर
हाई लेवल केनाल माही परियोजना से बांसवाड़ा के
338 गावों में सिंचाई सुविधा
₹1,690 करोड़ की लागत से उदयपुर शहर की
पेयजल आवश्यकता को पूरा करने के लिए
देवास तृतीय व चतुर्थ बांध का निर्माण



किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना

15 सितम्बर 2026 को छह राज्यों के बीच समझौता, **₹15,000 करोड़ लागत,**
1,324 MCM जल भंडारण क्षमता एवं राजस्थान को **134 MCM जल आवंटन**

विशेष उपलब्धि: मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश के हिस्से के 25% अतिरिक्त जल की उपलब्धता राजस्थान को
लाभ: शेखावाटी क्षेत्र में पेयजल, सिंचाई एवं अन्य आवश्यकताओं हेतु जल उपलब्धता सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल



नर्मदा जल समझौता

नर्मदा समझौते से मानसून के लिए अधिशेष जल के
संग्रहण के लिए जलाशय निर्माण एवं जालौर, बाड़मेर
व बालोतरा जिलों में पेयजल आपूर्ति संवर्धन हेतु
डीपीआर प्रक्रियाधीन

महाराजा गंगसिंह जी द्वारा **जीवनदायिनी**
गंगनहर के निर्माण के शताब्दी वर्ष में गंगनहर
प्रणाली के पुनरुद्धार एवं आधुनिकीकरण के लिए राशि
₹1742 करोड़ के कार्य प्रारम्भ किये जा रहे हैं

भाखड़ा, नोहर सिद्धमुरव परियोजना के जीर्णोद्धार एवं
घघर बाढ़ से राहत कार्य राशि **1160 करोड़**

₹7,355 करोड़
की लागत से बन रहे **परवन वृहद बहुउद्देशीय**
सिंचाई परियोजना से कोटा,
बारां एवं झालावाड़
के 571 गांवों में 2.01 लाख हेक्टेयर सिंचाई तथा
1,402 गांवों में पेयजल सुविधा

₹1274 करोड़
की लागत से एस्केप जलाशय बनाकर
इंदिरा गांधी नहर के व्यर्थ बह रहे
248 एमसीएम जल का
संग्रहण किया जा रहा है
₹ 2,800 करोड़
के नए खालों का निर्माण व नहरों का जीर्णोद्धार

ब्राह्मणी परियोजना

चम्बल घाटी बाढ़ प्रबंधन परियोजना के अन्तर्गत व्यर्थ बहने वाले वर्षा जल के सदुपयोग पेयजल एवं अन्य हेतु
ब्राह्मणी नदी पर बैराज निर्माण एवं राणा प्रताप सागर बांध से बीसलपुर बांध में जल अपवर्तन कार्य ₹ 9100 करोड़
लाभान्वित जिले :- भीलवाड़ा, जयपुर, अजमेर, टोंक, दौसा, भरतपुर, अलवर

- अजमेर जिले में **200 एमसीएम** भराव क्षमता के मोर सागर तथा इस हेतु बीसलपुर से फीडर के निर्माण हेतु **₹4,800 करोड़** का प्रावधान
- अजमेर और पुष्कर के बाँधों, तालाबों, झीलों और नहरों के जीर्णोद्धार में लगभग **₹ 425 करोड़** का प्रावधान

वर्तमान सरकार द्वारा सिंचाई परियोजनाओं पर
₹15,953.19 करोड़ व्यय से 1,42493.81 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा

हर घर जल
हर चेहरे पर मुस्कान

कमल का बटन दबाएं



भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

भाजपा का संकल्प
जलयुक्त राजस्थान

● ● ● ●

निकाय चुनावों की सफलता का कारण कार्यकर्ताओं की मेहनत व जनता से नियमित संवाद था- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने बाँसवाड़ा जिले की घाटोल तहसील के खमेरा में कार्यकर्ताओं से संवाद किया

बाँसवाड़ा, 26 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को बाँसवाड़ा जिले की घाटोल तहसील के खमेरा में भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। निकाय चुनावों में मिली सफलता, कार्यकर्ताओं की मेहनत, पार्टी के प्रति निष्ठा और जनता से निरंतर संवाद का परिणाम है। अब पंचायत राज चुनावों में भी इसी प्रदर्शन को दोहराते हुए सरकार की योजनाओं का लाभ

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी पाँच वर्षों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में औसतन 5 करोड़ रुपए के विकास कार्य करावां जाएंगे।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को बांसवाड़ा जिले की घाटोल तहसील के खमेरा में भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 5 वर्षों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में औसतन 5 करोड़ रुपये के विकास कार्य करावाए जाएंगे। 19 हजार किलोमीटर मिंसिंग लिंक सड़कों पर नौ हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे। पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 3 हजार किलोमीटर से अधिक लम्बी सड़कें बनाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाँसवाड़ा में

पिछले पौने तीन वर्षों में 4,27,2 करोड़ रुपये के विकास कार्य करावाए जा रहे हैं। बांसवाड़ा सहित 11 शहरों में 275 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल आपूर्ति के कार्य हो रहे हैं। अजमेर-बाँसवाड़ा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की डीपीआर तैयार की जा रही है। बिलोदा में माही नदी पर 60 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण की निविदा आमंत्रित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित

जनजाति बहुल आठ जिलों के 47 ब्लॉकों में जाँब कार्डधारी परिवारों को राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त 50 दिवस का रोजगार दिया जा रहा है। “पीएम-जनमन” के तहत बारां में 15 से ज्यादा आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि गाँवों के स्वतंत्रता सेनानियों, लोक परंपराओं और गौरवशाली इतिहास के संरक्षण के लिए डिजिटल आर्काइव तैयार किए जाएंगे

तथा ग्रामीण प्रतिभाओं के सम्मान के लिए ग्राम गौरव अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने, ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान में भूमिका निभाने और पूरी निष्ठा एवं अनुशासन के साथ चुनावों में हर गांव और हर बूथ पर कमल खिलाने के लक्ष्य के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

नए कानून से न्यूज़ रिपोटर्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) करीबी माना जाता है, जो भी तब एक सीमा-रेखा खींच देते हैं, जब पत्रकारिता के बुनियादी कामकाज पर खतरा मंडराने लगता है। इस कानूनी चुनौती से सरकार के लिए अपने कानून का बचाव करना मुश्किल हो सकता है। साथ ही, मीडिया का मालिकाना हक कुछ ही बड़े समूहों के हाथों में केन्द्रित होने के मौजूदा माहौल में, मीडिया स्वतंत्रता को लेकर एक व्यापक बहस भी तेज हो सकती है।

डीपीडीपी कानून 2023 में पारित

डिवाइडर से टकराकर आग लगी, कार में चार दोस्त जिंदा जले

धार, 26 अक्टूबर। मध्य प्रदेश के धार जिले में रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पांचों दोस्त सांवरिया सेठ के दर्शन कर बाद से घर लौट रहे थे। इसी दौरान लेबर-नयागांव फोरलेन पर उनकी डिजायर कार अनियंत्रित होकर पुलिया के डिवाइडर से टकरा गई और नीचे जा गिरी। टक्कर के बाद कार में आग लग गई, जिससे भीतर फंसे चार युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार, हादसा रविवार रात करीब 10.30 बजे सादलपुर थाना क्षेत्र में सादलपुर और खेरोदे के बीच एक ढाबे के पास हुआ। कार में सवार पांचों दोस्त सांगौर से सांवरिया सेठ के दर्शन करने गए थे।

दिल्ली दंगों के आरोपी शादाब अहमद की याचिका खारिज

याचिका में शादाब ने लॉ की पढ़ाई के लिए गाजियाबाद जाने देने की अनुमति मांगते हुए जमानत की शर्तों में छूट देने का आग्रह किया था

- उच्चतम न्यायालय ने याचिका खारिज करते हुए कहा, “हमें मालूम है, आपने दिल्ली के लॉ कॉलेज छोड़कर गाजियाबाद के लॉ कॉलेज में एडमिशन क्यों लिया?”**

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश रचने के आरोपी शादाब अहमद की वह याचिका सोमवार खारिज कर दी, जिसमें उसने गाजियाबाद में लॉ की पढ़ाई के लिए क्लास अटेंड करने के लिए दिल्ली से गाजियाबाद जाने की अनुमति मांगी थी। न्यायालय का रुख देखते हुए आरोपी के वकील ने याचिका वापस ले ली, जिसके बाद न्यायालय ने इसे खारिज करते हुए ट्रायल न्यायालय से संपर्क करने की छूट दे दी।

सुनवाई के दौरान, जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि हम इस शर्त में कोई बदलाव नहीं करेंगे। हमें पता है

कि आपने दिल्ली के सभी लॉ कॉलेजों को छोड़कर उस (गाजियाबाद के) लॉ कॉलेज में दाखिला क्यों लिया है। इस पर शादाब के वकील ने तर्क दिया कि उसने दिल्ली यूनिवर्सिटी में दाखिले की कोशिश की थी, लेकिन वहां सीट नहीं मिल सकी। इसके बाद उसने गाजियाबाद के कॉलेज में दाखिला लिया और वह "सुधार की राह" पर आगे बढ़ ना चाहता है।

शादाब ने अपनी याचिका में दो

प्रमुख जमानत शर्तों में राहत मांगी थी। पहली शर्त, जिसके तहत उसे ट्रायल न्यायालय की अनुमति के बिना दिल्ली से बाहर जाने पर रोक है। दूसरी शर्त, जिसके तहत उसे हफ्ते में दो बार (सोमवार और गुरुवार) दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच में हाजिरी लगानी होती है, जिसे वह घटाकर हफ्ते में एक बार करवाना चाहता था।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी, 2020 में नागरिकता संशोधन

हिमाचल: पैराग्लाइडिंग करते बुलारिया के पायलट की मौत

धर्मशाला, 26 अक्टूबर। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित खनियारा-योल क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग हादसे में बुलारिया के 47 वर्षीय पायलट मैक्सिम वैलेंटीनोविच गैवरिलिचेंको की मौत हो गई, जबकि ब्रिटेन के 63 वर्षीय पायलट स्टीफन एंटनी पर्डी को सुरक्षित बचा लिया गया। दोनों ने रविवार को बीड़-बिलिंग से उड़ान भरी थी। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, तेज हवा के कारण राइजिंग स्टार पोक के समीप यह हादसा हुआ। पुलिस और प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, मैक्सिम 7 अक्टूबर को पर्यटक वीजा पर भारत आए थे।

आसियान रक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) रहे रक्षा संबंधों की समीक्षा करेंगे और रणनीतिक साझेदारी और मजबूत करने के तरीके खोजेंगे, क्योंकि यह सदस्य देशों के लिए सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करने का एक प्लेटफॉर्म है। दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) और उसके 8 संवाद भागीदारों का एक महत्वपूर्ण रक्षा मंच है। वर्ष 2010 में स्थापित इस मंच में 10 आसियान देश ब्रूनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, तिमोर लेस्ते और वियतनाम और 8 प्लस देश भारत, चीन, रूस, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हैं।

अमित शाह के मानहानि केस में राहुल गांधी बरी

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले की एमपी -एमएलए अदालत ने साक्ष्य के अभाव में राहुल को बरी कर दिया

- राहुल गांधी पर, 2018 में बैंगलोर में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष शाह पर अपमानजनक टिप्पणी के आरोप में सुल्तानपुर के भाजपा नेता विजय मिश्रा ने मुकदमा किया था।**

अधिवक्ता ने अपनी लिखित बहस में विवादित बयान को स्वीकार किया था, पर उसे सद्भाव में दिए जाने एवं किसी को अपमानित करने के इरादे से बयान नहीं देने व तोड़-मरोड़कर बयान पेश किए जाने समेत अन्य तर्क रखे थे। वहीं परिवारी पक्ष के अधिवक्ता ने विवादित बयान देने की बात स्वीकार करने के आधार पर राहुल गांधी को दोषी करार दिए जाने की मांग अदालत से की थी। इसके बाद अदालत ने फैसले के लिए

26 अक्टूबर की तारीख तय की थी। सोमवार को अदालत ने अपने फैसले में राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए दोषमुक्त करार दिया।

राहुल गांधी पर आठ मई 2018 को भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ बैंगलूरु में आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा था। राहुल गांधी के खिलाफ चार अगस्त 2018 को कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज

भीषण चक्रवाती तूफान से निपटने के लिये तैयारियां तेज

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश तट पर अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में पहुंचने की आशंका के बीच केन्द्र सरकार ने सोमवार को तैयारियों की समीक्षा की और प्रभावित राज्यों को जानमाल के नुकसान को न्यूनतम रखने के निर्देश दिए।

कैबिनेट सचिव टी. वी. सोमनाथन की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एसटीएमसी) की बैठक में तूफान से निपटने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों की तैयारियों का जायजालिया गया। मौसम विभाग के अनुसार, तूफान के 27 अक्टूबर तक पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ ने और उसके बाद आंध्र प्रदेश तट की ओर उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ ने का अनुमान है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह तक बाणटला और विशाखापत्तनम के बीच आंध्र प्रदेश तथा यामन के तटों को अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में पार करने की आशंका है।

लूला डा सिल्वा ...

राष्ट्रपति पद पर रहने वाले दूसरे व्यक्ति बन गए हैं। अपना मौजूदा कार्यकाल पूरा होने तक वे कुल 16 वर्षों तक सत्ता में रहेंगे, जो ब्राजील के लोकतांत्रिक इतिहास में एक रिकॉर्ड है। लूला ने 2003 से 2010 के बीच पहली बार ब्राजील का शासन संभाला था।

सरकार को यह अधिकार भी देगा कि व्यक्तिगत डेटा संभालने वाले किसी भी संगठन को वह “ऐसी जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दे सकेगा, जिसकी वह मांग करे।” याचिका के अनुसार, इससे समाचार कर्षों पर अपने सूर्त्रों की जानकारी उजागर करने का दबाव पड़ सकता है।

डीएनपीए ने कहा कि यह ग्रावधान उन लोगों को भी जानकारी साझा करने से हतोत्साहित कर सकता है, जो भ्रष्टाचार, कॉरपोरेट गड़बड़ियों या चुनावी अनियमितताओं का खुलासा पत्रकारों के सामने करना चाहते हैं।

डीएनपीए ने इस प्रावधान को बिना किसी स्पष्ट दिशा-निर्देश वाला बताते हुए रद्द करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इसके तहत सरकार को मिली शक्ति का इस्तेमाल किसी पत्रकार या सूचना देने वाले व्यक्ति के पास मौजूद गोपनीय और विशेधाधिकार प्राप्त संचार तक पहुंचाने के लिए भी किया जा सकता है।

एमएनआईटी परिसर में आठ माह के लैपर्ड शावक का शव मिला

जयपुर, 26 अक्टूबर। राजधानी के मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) परिसर में सोमवार को करीब आठ माह के लेपर्ड शावक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। वन विभाग की टीम ने मेडिकल बोर्ड से शावक का पोस्टमार्टम करवाया। इसके बाद मेडिकल, पुलिस, राक्षव और वन विभाग की टीम की मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार किया गया। फिलहाल शावक की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) जितेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि एमएनआईटी परिसर में मृत पाए गए मादा लेपर्ड शावक के शरीर पर चोट के निशान नहीं थे। शावक के नाखून, दांत और अन्य सभी अंग सुरक्षित मिले हैं। यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि शावक परिसर में कब पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। वन विभाग के अनुसार,

विपक्ष के “वोट चोरी” अभियान का जवाब देने सड़कों पर उतरेंगे शाह

कांग्रेस की एक नवम्बर की रैली के जवाब में हैदराबाद व हरियाणा में “लोकतंत्र बचाओ” मार्च करेंगे, अमित शाह

- भाजपा के तेलंगाना अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने पत्रकारों को बताया कि 2 नवंबर को होने वाले मार्च का नारा है, “लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ।”**
- अमित शाह 5 नवंबर को हरियाणा के करनाल में भी “लोकतंत्र बचाओ” मार्च निकालेंगे।**

में आयोजित पदयात्रा में शामिल होंगे। यह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों के कथित भ्रामक दावों के खिलाफ भाजपा के अभियान का हिस्सा होगी।

हैदराबाद में होने वाले कार्यक्रम की घोषणा करते हुए राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर गलत बात फैला रही है और देश के युवाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है।

राव ने पत्रकारों से कहा, “वे (कांग्रेस) राज्य और देश में अराजकता

पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। इसीलिए हम “लोकतंत्र बचाओ – अराजकता हटाओ” के नारे के साथ पदयात्रा निकालने जा रहे हैं। अमित शाह जी 2 नवंबर को इस पदयात्रा में शामिल होंगे।

मतदाता सूचियों में बदलाव को लेकर पैदा हुए राजनीतिक टकराव के बीच यह मार्च निकाला जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं, जबकि भाजपा इस प्रक्रिया का बचाव कर रही है।

निवासी जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्र ने मानहानि का परिवाद कोर्ट में दायर किया था।

मोदी पर खड़गे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) वे भारत की संस्कृति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। किसी भी नेता या ऐसे व्यक्ति के दिवंगत माता-पिता का नाम लेना, जो अब सार्वजनिक जीवन में नहीं है, राहुल गांधी के असर ओर उनकी संगति के नतीजे को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि खड़गे की इस टिप्पणी से काफी पहले, सोनिया गांधी ने भी इसी तरह की भाषा का इस्तेमाल किया था।

भारतीय सेनाओं के लिये 2.1 2 लाख करोड़ रु. के सैन्य उपकरण खरीदे जायेंगे

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में निर्णय हुआ कि 82 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योग से होगी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। भारतीय सेनाओं के लिए 2.12 लाख करोड़ रुपये के सैन्य उपकरण खरीदे जाएंगे, जिसके लिए सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में मंजूरी दी गई। केन्द्र सरकार द्वारा मंजूर किये गए कुल पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों में से लगभग 82 फीसदी हथियारों की खरीद भारतीय उद्योगों से की जाएगी।

केन्द्र सरकार ने अलग-अलग पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को लगभग 2,12,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर ज़रूरी चीजों की स्वीकृति (एओएन), यानी सैद्धांतिक रूप से प्रशासनिक मंजूरी दी है। इस रकम से भारतीय सेना के लिए हाई

- खरीदे जाने वाले उपकरणों में हाई मोबिलिटी व्हीकल, सेल्फ प्रोपेल्ड ट्रैक्ड गन सिस्टम, गन शॉट रिसपॉन्स सिस्टम, कामिकेज ड्रोन सिस्टम शामिल हैं।**

मोबिलिटी व्हीकल, सेल्फ-प्रोपेल्ड ट्रैक्ड गन सिस्टम, गन शॉट रिसपॉन्स सिस्टम, लाइट मल्टी रोल हेलीकॉप्टर, वेरी शॉर्ट-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम, प्लेटफॉर्म वेस्ड कार्डेटर, अनमैन्ड एरियल सिस्टम खरीदे जाएंगे।

एमएनआईटी परिसर में आठ माह के लैपर्ड शावक का शव मिला

मादा लैपर्ड शावक के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं थे

- वन विभाग के अनुसार, झालाना जंगल से कई बार लैपर्ड आबादी वाले क्षेत्रों, विशेषकर एमएनआईटी परिसर में आ जाते हैं। निगरानी बढ़ाते हुए परिसर में ट्रैप कैमरे लगाए हैं।**

एमएनआईटी परिसर मादा लेपर्ड पूजा किचन क्षेत्र है। झालाना जंगल से लेपर्ड कई बार आबादी वाले इलाकों की ओर आ जाते हैं। एमएनआईटी परिसर में भी पहले लेपर्ड की आवाजाही की सूचनाएं मिल चुकी हैं।

वन विभाग ने निगरानी बढ़ाते हुए परिसर में ट्रैप कैमरे लगाए हैं। विभाग मादा लेपर्ड पूजा की लोकेशन और गतिविधियों पर नजर रख रहा है। एमएनआईटी प्रशासन और वन विभाग ने संस्थान के

कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

‘घटिया देश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) किसी व्यक्ति को नहीं चाहता। उन्होंने कहा, वास्तव में नार्वे घटिया देश बन गया है। ट्रंप इससे पहले हैती, लीबिया, सोमालिया और यमन के लिए इस शब्द का इस्तेमाल कर चुके हैं।